राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार, 18 जुलाई 2022 वर्ष–5,अंक–173 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

भारत में कोरोना टीकाकरण का 'दोहरा शतक', 18 महीने में 200 करोड़ वैक्सीन डोज का कीर्तिमान

नई दिल्ली । भारत ने 200 करोड़ वैक्सीन का लक्ष्य हासिल कर लिया है। भारत जैसे देश में ये लक्ष्य आसान नहीं था, मगर बेहतर मैनेजमेंट से ये लक्ष्य हासिल किया। पिछले साल 16 जनवरी को कोरोना वायरस के खिलाफ टीकाकरण अभियान शुरू किया गया था। कोविन पोर्टल के मुताबिक, भारत रविवार को दोपहर करीब 12 बजे कोरोना टीकाकरण के 200 करोड़ डोज के लक्ष्य को पूरा किया। उल्लेखनीय है कि वैक्सीनेशन के मामले में चीन के बाद भारत दूसरे स्थान पर है। इसके साथ ही भारत कोरोना के खिलाफ लड़ाई में सबसे सुरक्षित देशों की लिस्ट में शामिल हो गया है। देश में जनवरी 2021 में दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान शुरू हुआ था। 18 महीनों में भारत ने 200 करोड़ वैक्सीन लगाकर इतिहास रच दिया। केंद्र सरकार ने 15 जुलाई से ही 18 से 59 वर्ष आयुवर्ग के लोगों को सरकारी केंद्रों पर मुफ्त सतर्कता डोज लगाने का विशेष अभियान शुरू किया है। अभियान के पहले दिन करीब 15 लाख डोज लगाई गई। इनमें से ज्यादातर लोगों को 75 दिन के विशेष अभियान 'कोरोना टीकाकरण अमृत महोत्सव' के तहत डोज दी गई है। मंत्रालय ने बताया कि 18 से 59 वर्ष आयु वर्ग के लोगों को अब तक कुल 1।06 करोड़ सतर्कता डोज लगाई गई है। 60 वर्ष की आयु से अधिक के लोगों को टीके की 2।81 करोड़ डोज दी जा चुकी है। 12 से 14 वर्ष के 3।79 करोड़ बच्चों को पहली डोज दी जा चुकी है, जबकि 15 से 18 आयु वर्ग के 6।08 करोड़ से अधिक किशोरों को पहली डोज लगाई जा चुकी है। पिछले साल 16 जनवरी से स्वास्थ्य कर्मियों को टीका लगाने के साथ टीकाकरण अभियान के पहले चरण की शुरुआत हुई थी। उसी साल दो फरवरी से दूसरा चरण शुरू हुआ था, जिसमें फ्रंटलाइन वर्कर टीकाकरण अभियान में शामिल किया गया था। टीकाकरण का अगला चरण पिछले साल ही एक मार्च को शुरू हुआ था। इसमें 60 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों और 45 साल से अधिक उम्र के पहले से गंभीर बीमारी से ग्रस्त लोगों को टीका लगाना शुरू किया गया।

पुलवामा में आतंकियों ने सीआरपीएफ जवानों पर किया हमला, एएसआइ शहीद

जम्मू । पुलवामा के गंगू क्रासिंग के समीप सीआरपीएफ की नाका पार्टी पर रविवार दोपहर आतंकियों ने अचानक हमला कर दिया। हमले में सीआरपीएफ के एएसआइ विनोद कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। सुरक्षा बलों ने हमले के बाद बड़े पैमाने पर आतंकियों की धरपकड़ के लिए तलाशी अभियान शुरू किया है। दक्षिणी कश्मीर के पुलवामा जिला के गंगू क्रासिंग के नजदीक सीआरपीएफ के जवानों ने नाका लगाया था। नजदीक में ही सेवों के बाग भी हैं। वहां छिपे आतंकियों ने अचानक सीआरपीएफ के जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी। इससे पहले सीआरपीएफ के जवान पोजीशन लेते, इस फायरिंग में सीआरपीएफ के एएसआइ विनोद कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। इस नापाक घटना को अंजाम देकर आतंकी वहां से भागने में कामयाब हो गए। इसी दौरान सीआरपीएफ के जवानों ने गंभीर रूप से घायल एएसआइ विनोद कुमार को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, उपचार शुरू होने के कुछ देर बाद ही उनकी मौत हो गई। हमले के तुरंत बाद पुलिस, सेना और सीआरपीएफ के जवानों ने आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान छेड़ दिया है। इसी बीच पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि आतंकी ज्यादा समय तक बच नहीं सकेंगे। आतंकियों की पहचान का काम शुरू हो चुका है जल्द ही इनकी तलाशी कर इन्हें उनके अंजाम तक पहुंचा दिया जाएगा।

गुजरात तट के निकट अरब सागर में उठा तूफान, मछुआरों को दी समुद्र में न जाने चेतावनी

नई दिल्ली। ओखा में गुजरात तट से 70 किलोमीटर दूर अरब सागर में उठ रहे तूफान के कारण 50 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से हवा चल रही है और यह तूफान ओमान की ओर बढ़ रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अधिकारी दबाव क्षेत्र में रूप में वर्गीकृत मौसम प्रणाली पर शनिवार सुबह पोरबंदर तट के पश्चिम में तूफान के बनने के बाद से ही नजर रख रहे हैं। मौसम विभाग ने रविवार सुबह जारी राष्ट्रीय बुलेटिन में बताया कि इसके अगले 48 घंटों में पश्चिम-उत्तर-पश्चिम में ओमान तट की ओर उत्तर-पश्चिम अरब सागर के पार जाने की संभावना है। मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि सौराष्ट्र और कच्छ तटों के निकट पूर्वोत्तर अरब सागर पर दबाव का क्षेत्र पिछले छह घंटे में 5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पश्चिम की ओर धीरे-धीरे आगे बढ़ा, जो रविवार सुबह साढ़े पांच बजे पोरबंदर से लगभग 170 किलोमीटर पश्चिम पश्चिमोत्तर, ओखा से 70 किलोमीटर पश्चिम-पश्चिमोत्तर, नलिया (गुजरात) से 70 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पश्चिम और कराची (पाकिस्तान) से 270 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पूर्व में केंद्रित था। मौसम विभाग कार्यालय ने रविवार शाम तक हवा की गति 55 किलोमीटर प्रति घंटे और कभी-कभी 65 किमी प्रति घंटे की उच्च गति पर पहुंचने की संभावना जताई है। गुजरात तट पर और इसके पास रविवार शाम तक समुद्र में स्थिति खराब रहने की संभावना है और मछुआरों को तूफान समाप्त होने तक समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है।

एलएसी पर चीन की हर गतिविधि पर हमारी नजदीकी नजर, हाई अलर्ट पर है भारतीय वायुसेना : चौधरी

नई दिल्ली । भारत और चीन के बीच एलएसी पर जारी गतिरोध को लेकर सैन्य स्तर पर रविवार को 16वें दौर की बातचीत की गई। इस बीच वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने कहा है कि एलएसी पर वायु गतिविधियों पर हमारी ओर से लगातार नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा, जब भी हमें लगता है कि चीनी विमान एलएसी के बहुत करीब आ रहे हैं, तो हम अपने लड़ाकू विमानों और सिस्टम को हाई अलर्ट पर रखकर उचित उपाय करते हैं। इसने उन्हें डरा दिया है। चीन ऐसा क्यों कर रहा है, इसका कोई एक कारण नहीं बता सकते हैं। दरअसल, चीन ने हाल ही एक बार फिर से भारतीय हवाई सीमा का उल्लंघन किया। चीनी वायुसेना के एक विमान ने पूर्वी लद्दाख में तैनात भारतीय जवानों के बेहद करीब से उड़ान भरी। एयर स्पेस में दखलअंदाजी को देखते हुए भारतीय वायुसेना ने स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर के तहत जरूरी कदम उठाए हैं। यह घटना जून के आखिरी हफ्ते में एलएसी के करीब की बताई गई। मामला सामने आने के बाद भारतीय वायुसेना ने इसको लेकर कड़ी आपत्ति जताई। वीआर चौधरी ने कहा कि अलग हवाई रक्षा कमान की स्थापना से फायदा के बदले नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहा कि देश की वायु शक्ति के सभी तत्वों को मिलकर समन्वय के साथ काम करने की जरूरत है, ताकि भविष्य की विभिन्न सुरक्षा चुनौतियों का सामना किया जा सके। वायु सेना प्रमुख ने कहा कि आधुनिक 4.5 और पांचवीं पीढ़ी के विमानों की क्षमता व्यापक है और उन विमानों को किसी एक भूमिका तक सीमित कर देने से उनका अपेक्षित उपयोग नहीं हो पाएगा।

भारत को अगले साल तक मिल जाएगा रूस निर्मित एस-400 मिसाइल सिस्टमः एयर चीफ मार्शल

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल विक्रम आर चौधरी ने आश्वस्त किया है कि भारत-चीन सीमा पर चीन की तरफ जो गतिविधियां हो रही हैं, उन पर वायु सेना की पूरी नजर है। उन्होंने कहा जब भी हमें लगता है कि चीनी विमान एलएसी के ज्यादा ही नजदीक आ रहे हैं, तो हम अपने सिस्टम को हाई अलर्ट पर रखकर उचित कदम उठाते हैं। वायु सेना के फाइटर जेट भी पूरी तरह से अलर्ट पर आ जाते हैं। चीन द्वारा हाल ही में कई उकसाने वाली गतिविधियां करने पर एयरचीफ ने कहा कि वह इसका कोई विशेष कारण नहीं बता सकते हैं कि वे ऐसा क्यों किया गया। लेकिन हम इसकी निगरानी कर रहे हैं, हम दुश्मन की तरफ से हमेशा चौकन्ने रहते हैं और उन्हें वहां से खदेड़कर तत्काल कार्रवाई करते हैं। एयरचीफ मार्शल ने कहा इस बार वायुसेना दिवस परेड चंडीगढ़ में आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन प्रमुख आयोजनों को दिल्ली से बाहर करने का है। इसको देखते हुए ये फैसला लिया गया है। प्रधानमंत्री के विजन और देश के युवाओं को भारतीय वायुसेना की ताकत दिखाने के अपने विचार को ध्यान में रखते हुए हमने हर साल परेड स्थल को एक नए स्थान पर स्थानांतरित करने का फैसला किया। रूस से मिलने वाली एस-400 मिसाइल सिस्टम के बारे में पूछ जाने पर उन्होंने कहा कि इंडक्शन प्रोग्राम तय शेड्यूल के मुताबिक चल रहा है। पहली फायरिंग यूनिट को शामिल कर लिया गया है और तैनात कर दिया गया है। दूसरी इकाई भी शामिल होने की प्रक्रिया में है। उम्मीद है कि अगले साल तक सभी डिलीवरी पूरी हो जाएगी। कई मोर्चों का खतरा हमेशा बना रहता है। एक समय में दो मोर्चों को संभालने में भारतीय वायुसेना की क्षमता को विभिन्न प्लेटफार्मों के शामिल होने से और मजबूत करना होगा। हमें और अधिक रडार, एसएजीडब्ल्यू सिस्टम की जरूरत होगी और ये सभी स्वदेशी स्रोतों से आएंगे। एएमसीए के लिए, हमने 7 स्क्वाड्रन को प्रतिबद्ध किया है। एलसीए मार्क-II पर फैसला तब करेंगे जब पहला प्रोडक्शन मॉडल आएगा। हम अब से कुछ साल बाद एएमसीए, एलसीए मार्क-एआई और एलएसी मार्क-II के लिए आगे देख रहे हैं। 114 एमआरएफए के मामले में भी अच्छी प्रगति हो रही है। यह न केवल भारतीय वायुसेना को मजबूत करेगा बल्कि भारतीय विमानन उद्योग के लिए भी एक बड़ा बढ़ावा होगा।

अयोध्या में कांवड़ यात्रा और सावन मेला में आतंकी हमले के इनपुट के बाद बढ़ाई गई सुरक्षा

अयोध्या (एजेंसी)।

रामनगरी अयोध्या में प्रारंभ हो रही कावड़ यात्रा और सावन झूला मेले को लेकर आतंकी हमले का खुफिया इनपुट जारी किया गया है। इसको लेकर अयोध्या की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इस बार अयोध्या की सुरक्षा के लिए पीएसी, आरएएफ व सीआरपीएफ के जवानों को भी तैनात किया गया है। इसी कड़ी में रविवार को सीआरपीएफ की बटालियन के साथ पुलिस अधिकारियों ने अयोध्या के प्रमुख मार्गों पर रूट मार्च भी किया। बता दें कि कावड़ यात्रा को लेकर खुफिया विभाग ने आतंकी हमले का इनपुट जारी किए हैं। जिसके बाद हमेशा सुरक्षा को लेकर सख्त घेरे में कसी रहने वाली अयोध्या की सुरक्षा और बढ़ा दी गई है। अयोध्या के हर मठ मंदिर में सुरक्षा बल तैनात किए जा रहे हैं। बड़ी संख्या में सुरक्षा बल बाहर से मंगाए गए हैं। जिनकी प्रमुख सड़कों के समेत हर गली प्रमुख स्थानों पर तैनाती की जा रही है। साथ ही सभी प्रमुख मठ मंदिरों के महंत और वीआईपी को सुरक्षा प्रदान की गई है। इतना ही नहीं संपूर्ण मेले में हर आने जाने वाले पर नजर रखी जा रही है। अयोध्या में प्रवेश करने वाले हर वाहन की तलाशी की जाएगी और साथ ही यात्रियों की सुविधाओं के लिए जगह-जगह पार्किंग की व्यवस्था की गई है। संपूर्ण अयोध्या को छोटे-छोटे सेक्टर में बांटा गया है।

जिसमें सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती होगी। सुरक्षा को लेकर के अयोध्या बेहद सख्त घेरे में कसी रहेगी श्रद्धालुओं को किसी तरीके की असुविधा ना हो इसका भी ध्यान रखा जा रहा है। अयोध्या की निगरानी सीसीटीवी से की जा रही है।

महाराष्ट्र में मूसलाधार बारिश का कहर जारी, अब तक 104 लोगों की मौत

मुंबई । बीते 15 दिनों से महाराष्ट्र में हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से कई इलाकों में बाढ़ आई हुई है. इसके साथ ही बारिश के कहर से 104 लोगों की जान चली गई है और 189 जानवरों की भी मौत हो चुकी है. हालांकि महाराष्ट्र में भारी बारिश से फिलहाल नागरिकों को राहत है और इसके साथ ही मौसम विभाग ने अधिकतर जिलों में ग्रीन अलर्ट भी जारी किया हुआ है. आपको बता दें कि महाराष्ट्र में पिछले 15 दिनों से भारी बारिश हो रही है और इसकी वजह से कई जगहों पर बाढ़ भी आई है. तेज बारिश के कारण कई नदियां खतरे के निशान को पार कर चुकी हैं. जुलाई महीने में 15 दिनों में 392.7 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है, अब आने वाले सप्ताह में भी भारी बारिश की संभावना है. मौसम विभाग ने 20 जुलाई तक कोंकण और विदर्भ में मध्यम से भारी बारिश की संभावना जताई है. मौसम विभाग ने यह भी कहा है कि हिंगोली, नांदेड़ और लातूर जिलों में रविवार से मंगलवार तक गरज के साथ तेज हवाएं चलेंगी. उधर मुंबई को भीषण बारिश से कुछ राहत मिलने का अनुमान है. मुंबई में अगले पांच दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है.

उत्तराखंडः भूस्खलन से बद्रीनाथ-ऋषिकेश राष्ट्रीय राजमार्ग बंद, खनकड़ा के पास हुआ हादसा

देहरादून (एजेंसी)।

उत्तराखंड में इन दिनों मूसलाधार बारिश ने पहाड़ों पर कोहराम मचा रखा है यहां भूस्खलन की घटनाएं लगातार हो रही है। शनिवार को उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में बारिश और भूस्खलन के चलते बद्रीनाथ-ऋषिकेश राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो गया। बता दें कि इस रास्ते पर पहाड़ का हिस्सा गिर गया। हालांकि राहत की बात है कि इस दौरान किसी वाहन को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। बता दें कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की जानकारी अभी सामने नहीं आई है। वहीं भूस्खलन के चलते हाईवे पर यातायात बाधित हो गया, कई जगह से सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है। यह हादसा खनकड़ा के पास हुआ है। उत्तराखंड में भारी बारिश के चलते अभी कुछ दिन तक लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। वहीं मौसम विभाग के मुताबिक उत्तराखंड के देहरादून में आज गरज के साथ भारी बारिश की संभावना है। अगर तापमान की बात करें तो देहरादून में न्यूनतम तापमान 25 डिग्री और अधिकतम तापमान 35 डिग्री रहेगा। गौरतलब है कि देश के कई राज्यों में जहां बारिश के चलते गर्मी से राहत मिली है तो वहीं कई राज्य ऐसे में भी हैं जहां बारिश मुसीबत बनकर आई है। इसमें असम, गुजरात, महाराष्ट्र और दक्षिण के राज्य भारी बारिश से त्रस्त हैं। लेकिन दिल्ली, यूपी, बिहार में गर्मी से लोगों का हाल बेहाल है। हालांकि मौसम विभाग का अनुमान है कि आगामी 24 घंटे में बिहार, एमपी, छत्तीसगढ़, यूपी, झारखंड, महाराष्ट्र, पंजाब में भारी बारिश होने की संभावना है। अगले 24 घंटों में यहां हो सकती है बारिश- मौसम की खबर देने वाली निजी एजेंसी स्काईमेट का अनुमान है कि 21 जुलाई से पूरे उत्तर भारत में मानसून अपनी रफ्तार पकड़ेगा। वहीं अगले 24 घंटों के दौरान कोंकण और गोवा, ओडिशा, छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, तटीय कर्नाटक में बारिश की आंशका जताई गई है। वहीं पूर्वी असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, गुजरात, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, राजस्थान, तेलंगाना, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में भी अगले 24 घंटों में बारिश हो सकती है।

कन्नौज में मंदिर परिसर में फेंके गए 'जानवर के मांस के टुकड़े' पर बवाल, डीएम-एसपी को हटाया

नई दिल्ली । यूपी के कन्नौज में एक मंदिर के सामने 'जानवर के मांस के टुकड़े' फेंके जाने के मामले में उठे तूफान में रसूलाबाद गांव में तनाव चरम पर पहुंच गया है। माहौल इतना बिगड़ा कि इलाके में कुछ छोटी दुकानों में आगजनी भी की गई। अब इस मामले में जिले के डीएम और एसपी दोनों पर गाज गिर गई है और करीब दर्जन भर लोगों को हिरासत में लिया गया है।कन्नौज के गांव में हुए बवाल के बाद डीएम-एसपी दोनों को पद से हटाने के बाद कुंवर अनुपम सिंह को नया पुलिस अधीक्षक और शुभ्रांत शुक्ला को जिलाधिकारी बनाया गया है। पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि घटना तालग्राम थाना क्षेत्र के रसूलाबाद इलाके से सामने आई। जिसमें घटना के विरोध में कुछ लोगों ने कथित तौर पर आगजनी की और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। अतिरिक्त महानिदेशक (कानपुर जोन) भानु भास्कर ने कहा, तालग्राम थाना क्षेत्र के अंतर्गत शिव मंदिर के अंदर एक किसान रहता है। आम तौर पर वह वहीं सोता है। गुरुवार की रात में किसी कारणवश वहां मंदिर में नहीं सोया और शुक्रवार की सुबह जब वह पहुंचा तो मंदिर के प्रवेश द्वार पर एक बोरी में एक 'जानवर के मांस के टुकड़े' मिले।

मानसून सत्र से पहले केंद्र ने बुलाई सर्वदलीय बैठक, कांग्रेस ने पीएम मोदी की अनुपस्थिति पर उठाए सवाल

नई दिल्ली।

देश की कार्युपालिका संसद के मानसून सत्र से पहले केंद्र सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक संसद एनेक्सी भवन में आड़ूत हुई। सरकार ने सत्र के दौरान विपक्ष की चिंताओं को दूर करने के साथ-साथ सदन की उत्पादकता को अधिकतम करने की रणनीति तैयार करने के लिए सोमवार से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र से पहले रविवार को एक सर्वदलीय बैठक की। संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी द्वारा बुलाई गई बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, अन्नाद्रमुक सांसद एम थंबी दुरई, वाईएसआरसीपी सांसद विजयसाई रेड्डी, टीएमसी सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय और अपना दल की सांसद अनुप्रिया पटेल, जयराम रमेश, राष्ट्रीय लोक दल के सांसद जयंत चौधरी और द्रमुक सांसद तिरुचि शिवा, कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे शामिल हुए। हालांकि कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बैठक से अनुपस्थिति पर सवाल उठाया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ट्वीट किया 'संसद के आगामी सत्र पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक अभी शुरू हुई है और प्रधान मंत्री हमेशा की तरह अनुपस्थित हैं। क्या यह 'असंसदीय' नहीं है?'

एनडीए उपराष्ट्रपति पद का प्रत्याशी घोषित होने के बाद गृहमंत्री शाह से मिले राज्यपाल धनखड़

कोलकाता (एजेंसी) ।

एनडीए की ओर से उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाए जाने के अगले दिन बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने रविवार को एक बार फिर नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। शाह ने इस दौरान एनडीए के उपराष्ट्रपति पद का प्रत्याशी चुने जाने के लिए धनखड़ को मुंह मीठा कराकर बधाई दी। तीन दिनों के भीतर बंगाल के राज्यपाल की गृह मंत्री के साथ यह दूसरी मुलाकात है। धनखड़ ने इससे पहले शुक्रवार को भी शाह से मुलाकात की थी। हालांकि तब उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में उनके नाम की घोषणा नहीं हुई थी। एक दिन पहले शनिवार को भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक में उनके नाम पर मुहर लगने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप धनखड़ के नाम की घोषणा की थी। बता दें कि धनखड़ पिछले तीन दिनों से दिल्ली में ही हैं। शनिवार को उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी मुलाकात की थी। इधर, धनखड़ से मुलाकात के बाद अमित शाह ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से तस्वीर साझा करते हुए लिखा जगदीप धनखड़ को एनडीए के उपराष्ट्रपति पद का प्रत्याशी चुने जाने पर मुंह मीठा कराकर बधाई दी। साधारण किसान परिवार में जन्में धनखड़ का जीवन जनकल्याण व समाज के उत्थान को समर्पित रहा। मुझे विश्वास है कि जमीनी समस्याओं पर उनकी समझ व संवैधानिक ज्ञान का देश को बड़ा लाभ मिलेगा। इधर, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को कहा कि जगदीप धनखड़ 2019 में बंगाल के राज्यपाल बने तो वे लोगों के राज्यपाल कहलाए यह उनकी लोकप्रियता रही। कल संसदीय बोर्ड ने कई नामों पर विचार करने के बाद एक किसान पुत्र को उपराष्ट्रपति पद पर नवाज़ा है। ये हम सब के लिए गौरव की बात है। उन्होंने सभी दलों से अपील की कि एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जगदीप धनखड़ का सभी समर्थन करें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

सफलता की खुशी मानना अच्छा है पर उससे ज़रूरी है अपनी असफलता से सीख लेना। - बिल गेट्स

संपादकीय

भारत को जबर्दस्त अमेरिकी छूट

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ईएमएस)

जब भारतीय मूल के नागरिक विदेशों में राज-काज के हिस्सेदार होते हैं तो वे कैसा चमत्कार कर देते हैं। आजकल ऋषि सुनाक के ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बनने की बात तो चल ही रही है लेकिन अमेरिका के प्रतिनिधि सदन (लोकसभा) के एक भारतीय सदस्य ने वह काम कर दिखाया है, जो असंभव-सा लगता था। रो खन्ना नामक सदस्य ने अमेरिका के राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम को भारत पर लागू होने से रूकवा दिया। यह अधिनियम चीन, उत्तरी कोरिया, ईरान आदि देशों पर बड़ी कड़ाई के साथ लागू किया जा रहा है। इस प्रतिबंध को 'काट्सा' कहा जाता है। इसके मुताबिक जो भी राष्ट्र रूस से हथियार आदि खरीदता है, उससे अमेरिका किसी भी प्रकार का लेन-देन नहीं करेगा। तुर्की पर भी काफी दबाव पड़ रहा है, क्योंकि वह रूसी प्रक्षेपास्त्र खरीदना चाहता है। जहां तक भारत का सवाल है, रूस तो भारत को सबसे बड़ा हथियार और सामरिक सामान का विक्रेता है। वह आज से नहीं, शीतयुद्ध के जमाने से है। अमेरिका के कई विद्वान और नीति-निर्माता भारत को रूस का पिट्ठू कहते रहे हैं। आजकल भारत ने रूस के साथ एस-400 प्रक्षेपास्त्रों की खरीद का सौदा किया हुआ है और यूक्रेन संकट के बाद से रूस भारत को तेल भी बड़े पैमाने पर सस्ते दामों पर मुहय्या करवा रहा है। इसके बावजूद रो खन्ना द्वारा लाया गया प्रस्ताव अमेरिकी निम्न सदन ने प्रचंड बहुमत से पारित कर दिया है। राष्ट्रपति जो बाइडन ने दबी जुबान से इसका इशारा किया था, वरना अमेरिकी राष्ट्रपति को अधिकार है कि वह स्वविवेक के आधार पर किसी देश को इस प्रतिबंध से मुक्त कर सकता है। अमेरिका ने भारत के पक्ष में यह एतिहासिक कदम तो उठाया ही, इसके पहले यूक्रेन के सवाल पर उसकी तटस्थता का सम्मान भी किया। इसका मूल कारण यह है कि पश्चिम एशिया और सुदूर-पूर्व एशिया के दो चौगुटों में भारत और अमेरिका कंधे से कंधा मिलाकर साथ-साथ काम कर रहे हैं। दोनों देशों में सामरिक सहकार तीव्र गति से बढ़ता जा रहा है। 2008 में भारत-अमेरिकी सामरिक सौदा सिर्फ 50 करोड़ डॉलर का था। वह अब बढ़कर 2000 करोड़ डॉलर का हो गया है। इस समय रूस और चीन मिलकर ऐसी नीति चला रहे हैं, जैसे वे किसी गठबंधन के सदस्य हों। ऐसे में अमेरिका के लिए भारत को साथ रखना बेहद जरुरी है। भारत और चीन के रिश्तों में इधर जो खटास पैदा हुई है, वह अमेरिका के लिए स्वादिष्ट चटनी की तरह है। दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों में मैत्री-भाव बढ़े, इससे अच्छा क्या हो सकता है।

(लेखक, भारतीय विदेश नीति परिषद के अध्यक्ष हैं)

असहनशीलता छोड़ समरसता हो स्वीकार

विश्वनाथ सचदेव

प्रधानमंत्री मोदी जब पहली बार संसद भवन में आये थे तो सबसे पहले उन्होंने दो जगह सिर झुकाया था- पहले संसद भवन की सीढ़ियों पर, जिसे उन्होंने 'जनतंत्र का मंदिर' कहा था और फिर संसद में रखी देश के संविधान की प्रति पर। तब उन्होंने संविधान को जनतंत्र के 'पवित्र ग्रंथ' की संज्ञा दी थी। यह सही है कि हमारा संविधान उस अर्थ में 'पवित्र ग्रंथ' नहीं है जैसे कुरान, बाइबल या गुरु ग्रंथ साहब हैं। पवित्र ग्रंथ को ईश्वर की वाणी माना जाता है और इसीलिए उसमें कुछ जोड़ने-घटाने का अधिकार मनुष्य को नहीं है। पर अपने संविधान में हम आवश्यकता के अनुसार जोड़ते-घटाते रहे हैं। सौ से अधिक बार संशोधन हो चुके हैं हमारे संविधान में। हां, यह ज़रूर है कि संविधान में वर्णित नागरिक के मौलिक अधिकारों में कोई परिवर्तन नहीं हो सकता, और ऐसा भी कोई बदलाव नहीं हो सकता जिससे मूल-अधिकार प्रभावित हों। जहां तक संविधान में संशोधन का सवाल है, यह अपेक्षा अवश्य की गयी है कि हमारी विधायिका इस संदर्भ में विवेकशील निर्णय लेगी। विवेक विधायिका, और नागरिकों की भी, सबसे बड़ी कसौटी है। संविधान की बात हम जब भी करें, उसे विवेक के तराजू पर तोला जाना चाहिए। आज फिर संविधान की बात हो रही है। संविधान की रक्षा की बात की जा रही है, संविधान के शासन की दुहाई दी जा रही है। विश्व हिंदू परिषद और बाकी कई हिंदू संगठनों ने राजधानी दिल्ली और कुछ अन्य स्थानों पर 'शांति-मार्च' आयोजित करके संविधान के शासन की मांग की है। उनका कहना है कि हमारा देश सांविधानिक व्यवस्था में विश्वास करता है। देश में देश का ही कानून चलेगा, शरीयत या किसी और व्यवस्था के अनुसार देश को चलाने की कोशिशों को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जायेगा। राजधानी दिल्ली में इस 'शांति-मार्च' के आयोजकों ने इसे 'संकल्प यात्रा' का भी नाम दिया है और कहा है कि हम यानी इस आंदोलन में भाग लेने वाले इस आशय का संकल्प लेते हैं कि संविधान के शासन को नीचा दिखाने की कोशिशों को सफल नहीं होने देंगे। इस संकल्प की आवश्यकता पिछले एक अर्से से देश में धर्म की रक्षा और आहत भावनाओं के नाम पर चल रही गतिविधियों के परिप्रेक्ष्य में अनुभव की जा रही है। ताज़ा संदर्भ उदयपुर और अमरावती में हुई नृशंस हत्याओं का है। इसके साथ ही हिंदू देवी-देवताओं के अपमान की बात भी है। ऐसी हत्याओं और धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ की कोशिशों का समर्थन किसी भी दृष्टि से नहीं किया जा सकता। दोषियों को दंड मिलना ही चाहिए। फिर भले ही वे किसी भी धर्म के मानने वाले हों। हमारा धर्म-निरपेक्ष संविधान देश में सभी धर्मों को समान रूप से देखने का अधिकार और अवसर देता है। किसी की भी धार्मिक भावनाओं को आहत करने को हमारा संविधान दंडनीय अपराध मानता है। 'सर धड़ से अलग' और देवी-देवताओं को अपमानित करने वाले नारों के लिए हमारी न्याय-व्यवस्था में कोई जगह नहीं है। यही बात उनपर भी लागू होती है जो हिंदू राष्ट्र के नाम पर गैर हिंदुओं, विशेषकर मुसलमानों के विरुद्ध गरजते रहते हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि देश में कटुता की जिस आंधी को चलाने की कोशिश हो रही है, देश का विवेकशील तबका उसे सफल नहीं होने देगा। इस तबके में हर मज़हब के, हर जाति के, हर वर्ग के लोग शामिल हैं। यह देश सबका है। यहां धर्म के नाम पर किसी को कोई विशेषाधिकार नहीं मिला हुआ है, और न ही ऐसा कोई अधिकार किसी को दिया जा सकता है। जब हम संविधान की रक्षा या संविधान के शासन की बात करते हैं तो यह बात स्पष्ट होनी चाहिए कि हमारा संविधान किन जीवन-मूल्यों को रेखांकित करता है। हमारे प्रधानमंत्री ने जिस संविधान के समक्ष सर झुका कर उसे 'पवित्र ग्रंथ' की संज्ञा दी थी, वह संविधान हर नागरिक की समानता की बात करता है, हर व्यक्ति को अपने विश्वासों के अनुसार जीने का अधिकार देता है। हर नागरिक के साथ यहां पूरा न्याय होगा, और देश के सारे नागरिक एक-दूसरे के साथ भाई-चारे की डोर से बंधे हुए हैं। ऐसे में, 'सर तन से जुदा' या 'हिंदुस्तान हिंदुओं का' जैसी बातें संविधान का विरोध करना ही कहलायेगा और ऐसा ही अपराध वे भी कर रहे हैं जो किसी धर्म-विशेष के लोगों का बहिष्कार करने की बात कह रहे हैं। यह देश न हिंदू का है, न मुसलमान का। न सिख का, न ईसाई का.... यह देश सबका है। कुछ भी और होने से पहले हम सब भारतीय हैं। और इस नाते इस देश का हम पर और हमारा इस देश पर समान अधिकार है। देश पर अधिकार समान है तो देश के प्रति कर्त्तव्य भी समान ही हैं। समान अधिकार और समान कर्तव्य की इस बात को भुलाये जाने का मतलब देश के संविधान को नकारना है। हमें यह नहीं भूलना है कि स्वयं को संविधान की मर्यादाओं से जोड़कर हमने एक आदर्श जीवन-पद्धति का वरण किया है। जब हम संविधान के शासन की बात करते हैं तो इसका सीधा-सा मतलब यह है कि हम उन सारी व्यवस्थाओं को स्वीकार करते हैं, जो हमने संविधान के अंतर्गत स्वयं अपने लिए निर्धारित की हैं। संविधान की इन व्यवस्थाओं का हर कीमत पर सम्मान होना चाहिए। भारत माता की जय का नारा किसी धर्म-विशेष से जुड़े नागरिकों का ही नहीं है। और न ही यह नारा लगा कर कोई अपने आप को 'अधिक भारतीय' होने का दावेदार मान सकता है। जब हम जय हिंद करते हैं तो हम हर भारतीय की जय का संकल्प लेते हैं। और इस जय का मलतब है हर भारतीय को, चाहे वह किसी भी धर्म या जाति का हो, देश में सिर ऊंचा उठाकर जीने की आज़ादी है, अधिकार है। हर भारतीय को इस अहसास के साथ जीने का अधिकार है कि उसे देश के संविधान का पूरा संरक्षण प्राप्त है। धर्म या जाति के नाम पर उसके साथ किसी प्रकार का भेद-भाव नहीं होगा। किसी एक व्यक्ति या एक समूह के अपराध को किसी पूरे समाज का अपराध नहीं माना जायेगा। आहत भावनाओं के नाम पर 'सर धड़ से अलग' कहने वाले भी अपराधी हैं और हर अल्पसंख्यक की देश के प्रति निष्ठा पर संदेह करने वाले भी। आज हिंदुओं या मुसलमानों को जगाने की नहीं, हर भारतीय को जगाने की आवश्यकता है, देश के संविधान के प्रति निष्ठावान रहने की आवश्यकता है। संकल्प यह करना होगा कि मैं देश के संविधान में विश्वास करता हूं, मैं देश के हर नागरिक को एक भारतीय के रूप में स्वीकार करूंगा। यही है संविधान का शासन। यही है तिरंगे को हाथ में लेकर जय हिंद कहने का मतलब। और यही मतलब होता है किसी प्रधानमंत्री का देश के संविधान के सामने सर झुकाने का। हमारे संविधान का मतलब है,असहनशीलता का बहिष्कार, धर्म-निरपेक्षता का स्वीकार। यही हमारा संकल्प होना चाहिए।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

टीवी बहस में माहौल बिगाड़ने की राजनीति

(लेखक-- सुरेश हिंदुस्थानी)

वर्तमान में देश के समाचार चैनलों पर बहस के कार्यक्रम कुछ ज्यादा ही आने लगे हैं। सही है किसी भी मामले पर बहस होनी भी चाहिए, बहस के बाद ही दूध का दूध और पानी का पानी हो चाहिए, लेकिन ऐसा लगता है कि ऐसी बहस प्रायोजित ही होती हैं, क्योंकि बहस में जो भी व्यक्ति शामिल होता है, वह सामने वाले की बात सुनता ही नहीं है। सच को सुनने और उसे स्वीकार करने हिम्मत अगर नहीं है तो उस व्यक्ति को बहस में हिस्सा नहीं लेना चाहिए। इन चर्चाओं में जो व्यक्ति चयनित किए जाते हैं, उन्हें देखकर ऐसा ही लगता है कि वे सभी पूर्वाग्रह से ग्रसित ही होते हैं। बहस में शामिल होने वाला हर व्यक्ति अपने कुतर्कों के माध्यम से यही व्यक्त करने का प्रयास करता है कि उससे ज्यादा बुद्धिमान कोई है ही नहीं, जबकि इसे सिद्ध करने के लिए वह अनावश्यक तर्क देता है। कभी-कभी तो इन चर्चाओं के दौरान विवाद भी हो जाते हैं। अभी कुछ दिनों पूर्व आल्ट न्यूज पर जो बहस हुई उसके परिणाम स्वरूप देश का वातावरण बिगाड़ने का प्रयास किया गया। इसमें महत्वपूर्ण बात यह है कि एक पक्ष अपनी बात पर अडिग था, वह दूसरे की बात सुनना ही नहीं चाहता था। युक्ति संगत और पूरी प्रामाणिकता के साथ बात की जाए, तो चर्चा का सार है। अन्यथा ऐसी चर्चाओं का कोई महत्व ही नहीं है। मेरे विचार से तो टीवी पर चलने वाली इस प्रकार की बहस पर पूरी तरह से विराम लगना चाहिए, क्योंकि जो चैनल देश के सामने वस्तु स्थिति को नहीं रखते, वे कहीं न कहीं देश

के साथ खिलवाड़ ही करते हैं। आज कई चैनल भाजपा और मोदी के विरोध में इस प्रकार का व्यवहार कर रहे हैं, जैसे इन्होंने इसकी सुपारी ली है। मैं एक बार एनडीटीवी पर एक प्रख्यात एंकर की भाषा सुन रहा था, जिसमें कहा गया था कि जिस प्रकार से शहरों और मौहल्लों के नाम बदले जा रहे हैं, उससे तो यही लगता है कि सरकार उर्दू के शब्दों को भी निकाल फेंकेगी। यह बात मनगढ़त नहीं तो और क्या है? यहां उर्दू भाषा कैसे आ गई। दूसरी बात यह है कि भाषा को मिक्स करने का जो खेल भारत में चल रहा है, वह भाषा के मूल को समाप्त कर सकता है। हालांकि आज यह वातावरण में समाहित हो गया है। लेकिन चैनल वाले इसमें भी विसंगति तलाश लेते हैं। जो वातवरण बना है, उसे बने रहने दीजिए। इसमें जहर की तलाश मत कीजिए। राजनीतिक चर्चाओं में हम देखते हैं कि जो समस्या स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से बनी हुई है, उसके बारे में विपक्षी दलों के नेता अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए दिखाई देते हैं। समाचार चैनलों पर बहस के दौरान देश हित की बातें तो बेमानी सी लगने लगी हैं। एक-दूसरे को नीचा दिखाने के लिए ही पूरी शक्ति लगा देते हैं, जबकि यह बहस का स्वस्थ तरीका नहीं है। बहुत समय पहले जब आसाराम को सजा मिली, तो इसके बारे में समाचार चैनल पर बहस प्रारंभ हुई, होना भी चाहिए, लेकिन कुछ चैनलों पर बहस का मुख्य केन्द्र यही रहा कि हिन्दू धर्म को कैसे बदनाम किया जाए। अन्य धर्मों में इस प्रकार की बुराई को लेकर कभी बहस नहीं कराई जाती, ऐसा क्यों है? जबकि ऐसे व्यक्ति हर जगह मिल जाते हैं। इन चचाओं के बाद विश्लेषण करने पर जो तसवीर सामने आती है, वह भारत के सांस्कृतिक स्वरुप को बिगाड़ने जैसा ही लगता है। वास्तव में देश के सभी नागरिकों को देश भाव का परिचय देते हुए कम से कम देश का स्वरुप अच्छा दिखाई दे, ऐसा प्रयास करना चाहिए। अभी देश में महंगाई को लेकर कांग्रेस देश की वर्तमान सरकार को आड़े हाथ ले रही है, जबकि कांग्रेस यह अच्छी तरह से जानती है कि महंगाई कैसे बढ़ती है और कांग्रेस यह भी जानती है कि घोटाले कैसे होते हैं? वर्तमान में भले ही कांग्रेस अपने आपको पूरी तरह से ईमानदारी कहने का प्रयास करे, लेकिन कांग्रेस की सत्यता पूरा देश जानता है। खैर.. हम बात कर रहे हैं, समाचार चैनलों पर होने वाली बहस का, तो इसके लिए समाचार चैनलों को ऐसे व्यक्ति बुलाना चाहिए, जिनसे देश का युवा वर्ग कुछ सीख सके। बहस नहीं चर्चा होना चाहिए, क्योंकि हमेशा विवाद को जन्म देती है, यही समाचार चैनलों पर दिखाई दे रहा है, कभी कभी तो आपस में ही भला बुरा कहने की नौबत आ जाती है। टीवी चैनलों को ऐसा करने में अच्छा लगता है। क्योंकि वे जानते हैं कि इससे भारत की छवि खराब होती है, पूर्वाग्रह से ग्रसित चैनल ऐसी बातों को बहुत बड़ा चढ़ाकर प्रस्तुत करते हैं। कभी-कभी ऐसा भी देखने में आता है कि चर्चा में भाग लेने वाला व्यक्ति कुतर्क करते हुए बोलता ही जाता है, जब वह नहीं मानता तो चैनल उसे ऑफलाइन करने के लिए बाध्य होता है।

आज के कार्टुन

वर्तमान

जग्गी वासुदेव

योग की सारी प्रक्रिया मन की सीमाओं से परे जाने के लिए है। जब तक आप मन के नियंत्रण में है, तब तक आप पुराने प्रभावों से चलते हैं क्योंकि मन बीते हुए समय की यादों का ढेर है। अगर आप जीवन को सिर्फ मन के माध्यम से देखते हैं तो आप अपने भविष्य को भी भूतकाल की तरह बना लेंगे, न ज्यादा न कम। क्या यह दुनिया इस बात का पर्याप्त सबूत नहीं है? इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हमारे पास विज्ञान, तकनीक और दूसरे कई तरह के कितने अवसर आते हैं, पर क्या हम बार-बार उन्हीं ऐतिहासिक भूलों को नहीं दोहराते? अगर आप अपने जीवन को ध्यान से देखें तो पाएंगे कि वही चीजें बार-बार हो रही हैं क्योंकि जब तक आप मन के प्रिज्म के माध्यम से काम कर रहे हैं तब तक आप उसी पुरानी जानकारी के साथ काम करते रहेंगे। बीता हुआ समय आप के मन में ही रहता है। सिर्फ इसलिए कि आप का मन सक्रिय है, बीता हुआ कल बना रहता है। मान लीजिये, आप का मन इसी पल काम करना बंद कर दे तो क्या बीता हुआ समय यहां रहेगा? वास्तव में यहां कोई भूतकाल नहीं है, सिर्फ वर्तमान ही है। असलियत सिर्फ वर्तमान ही है, मगर हमारे मन के माध्यम से भूतकाल बना रहता है, दूसरे शब्दों में, मन ही कर्म है। अगर आप मन के परे चले जाएं तो आप सारे कार्मिक बंधनों के पार चले जाएंगे। अगर आप कार्मिक बंधनों को एक-एक कर के तोड़ना चाहें तो इसमें शायद लाखों साल लग जाएं और इसे तोड़ने की प्रक्रिया में आप कर्मो का नया भंडार भी बनाते जा रहे हैं। आप के पुराने कार्मिक बंधनों का जत्था कोई समस्या नहीं है। आप को यह सीखना चाहिए कि नया भंडार कैसे तैयार न हो! यही मुख्य बात है। पुराना भंडार अपने आप समाप्त हो जाएगा, उसके लिए कोई बड़ी चीजें करने की जरूरत नहीं है। पर बुनियादी बात ये है कि आप नए भंडार बनाना बंद करना सीख लें। फिर पुराने भंडार को छोड़ देना बहुत सरल होगा। अगर आप मन के परे चले जाएं तो आप पूरी तरह से कर्मिक बंधनों के भी परे चले जाएंगे। आप को कर्मो को सुलझाने में असल में कोई प्रयास नहीं करना पड़ेगा, क्योंकि जब आप अपने कर्मो के साथ खेल रहे हैं तो आप ऐसी चीज के साथ खेल रहे हैं जिसका कोई अस्तित्व नहीं है। बीते हुए समय का कोई अस्तित्व नहीं है पर आप इस अस्तित्वहीन आयाम के साथ ऐसे जुड़े रहते हैं, जैसे कि वही वास्तविकता हो।

सू-दोकू नवताल 2167

	1	6		3	7	4		
8			4					6
	5	7		6		3		
5						9		4
			9	8	3			
2		9						7
		1		9		6	2	
3					1			9
		2	3	7		5	8	

सू-दोकू -2166 का हल

3	6	9	2	7	1	5	4	8
4	2	8	5	3	9	1	6	7
1	7	5	6	4	8	2	3	9
5	9	7	1	2	3	6	8	4
6	4	3	8	5	7	9	1	2
8	1	2	9	6	4	3	7	5
9	3	1	7	8	2	4	5	6
7	5	4	3	9	6	8	2	1
2	8	6	4	1	5	7	9	3

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2167

बायें से दायें:-

1. ऋषि कपूर, मनीषा कोइराला की 'दिल की लगी कही ना जाए' गीत वाली फिल्म-4
4. ऋतिक रोशन, करिश्मा कपूर की फिल्म-2
6. 'सुबह सुबह जब खिड़की खोले' गीत वाली फिल्म-2
7. 'तेरी गलियों में ना रखेंगे कदम' गीत वाली फिल्म-3
9. प्रसिद्ध फिल्म 'मदर इंडिया' में शीर्षक भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-3
10. फिल्म 'रणभूमि' में ऋषि कपूर की नायिका-2
12. ऋषि कपूर और डिम्पल की फिल्म-2
13. गुलजार की फिल्म 'परिचय' में जया भादुड़ी के साथ नायक-3
14. प्रशांत और ऐश्वर्या की फिल्म-2
15. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीतवाली फिल्म-2
16. जैकी श्रॉफ जूही, अमृता सिंह की फिल्म-3
19. राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-3
20. 'दुनिया का मेला, मेले में लड़की' गीत वाली हेमा मालिनी की फिल्म-2,2
21. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक की नायिका-3
23. अमिताभ बच्चन, मौसमी चटर्जी अभिनीत फिल्म-3
27. मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-2
28. शत्रुघ्न, मिथुन, हेमा, अनीता राज की फिल्म-4
29. देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-2
30. अविनाश वधावन, आयशा जुल्का की फिल्म-3
31. 'चंदा ने दी चांदनी' गीत वाली जीतेंद्र, जया प्रदा की फिल्म-1

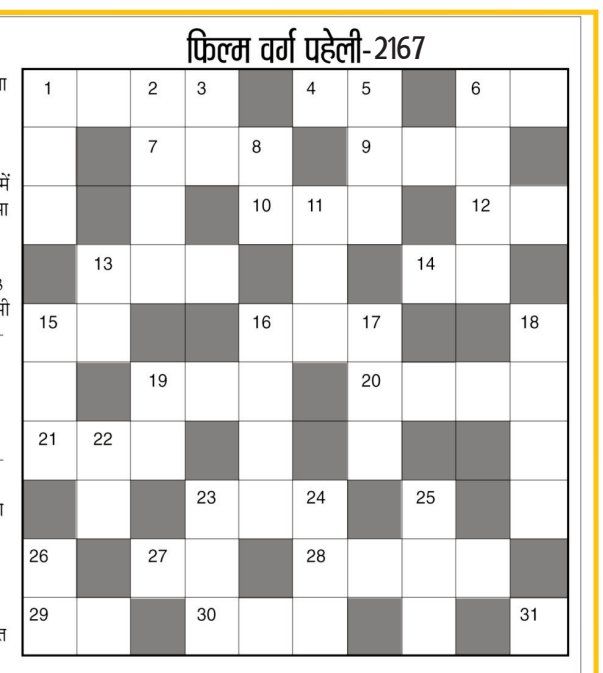

ऊपर से नीचे:-

1. जीतेंद्र, राज बब्बर, रीना राय परवीन बाबी अभिनीत फिल्म-3
2. 'हम को हमीं से चुरालो' गीतवाली फिल्म-4
3. सलमान खान, रेवती अभिनीत फिल्म-2
5. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली फिल्म-3
6. शाहरुख खान, जूही चावला की फिल्म-2,2
8. फिल्म 'सवेरे वाली गाड़ी' में पूनम ढिल्लो के साथ नायक-2
11. 'मेरा नाम बिल्लू-बिल्लू' गीतवाली फिल्म-3
13. सलमान, सनी, करिश्मा,तब्बू की फिल्म-2
15. सनी देओल, मीनाक्षी, ममता अभिनीत फिल्म-3
16. 'मेरे सपनों की रानी कब आएगी तू' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-4
17. 'तेरे बिन में कुछ नहीं' गीत वाली फिल्म-3
18. देव आनंद, नूतन अभिनीत फिल्म-4
19. फिल्म 'कभी हां कभी ना' में नायिका सुचित्रा कृष्णमूर्ति के किरदार का नाम-2
22. फिल्म 'प्यासा सावन' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-2
23. सनी देओल, अमृता सिंह अभिनीत फिल्म-3
24. फिल्म 'परदेस' की नायिका कौन थी-3
25. 'रुके-रुके से कदम रुक के बार बार चले' गीत वाली संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर अभिनीत फिल्म-3
26. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली फिल्म 'बाबू' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2166

जु	बै	दा		अ	ना	म		आ	
ल्मी		मि	ल	न		न	सी	ह	त
	स	नी		त			मा		र
खे	ल		नू	र	ज	हां		मा	ला
	मा	धु	री		मी		आं	सू	
शा	न			भा	र	त		म	स्त
गि		दि	ल			रा	खी		
र्द		ल्ल		आ	र	जू			आ
	स	गी	ना		वी		जा	गृ	ति
ह	त्या		च		ना	दा	न		श

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुला विनयाड्र्स ने आईपीओ लाने सेबी के पास जमा किए दस्तावेज

नई दिल्ली । पिछले साल की तरह यह साल भी बेहद खास होने वाला है। एक के बाद कई कंपनियां अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) ला रही हैं। इसी कड़ी में अब देश की सबसे बड़ी वाइन कंपनी सुला विनयाड्र्स भी आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है। सुला विनयाड्र्स शेयर बाजार में लिस्ट होने वाली ऐसी पहली कंपनी होगी जो वाइन की मैन्युफैक्चरिंग करती है जबकि एल्कोहल और स्पिरिट सेगमेंट में आईपीओ लाने की तैयारी करने वाली यह दूसरी कंपनी होगी। ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की बनाने वाली कंपनी एलॉइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स ने पिछले महीने ही आईपीओ के लिए सेबी के पास पेपर जमा किया था। कंपनी ने आईपीओ के जरिए फंड जुटाने के लिए मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी सेबी के पास शुरुआती दस्तावेज दाखिल किए हैं। ड्राफ्ट दस्तावेज के मुताबिक इश्यू पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल होगा, जिसमें प्रमोटर, निवेशक और अन्य शेयरधारक 25,546,186 इक्विटी शेयरों की पेशकश करेंगे। सुला विनयाड्र्स रेड, व्हाइट और स्पार्कलिंग वाइन की बिक्री करती है। यह 13 ब्रांड के तहत 56 प्रकार की वाइन का उत्पादन करती है। कंपनी महाराष्ट्र के नासिक में है। नासिक में अंगूर की खेती सबसे ज्यादा होती है। इस कंपनी में बेल्जियन फैमिली ऑफिस वर्लीनवेस्ट का पैसा लगा हुआ है। इस कंपनी ने सुला विनयाड्र्स में एक दशक पहले निवेश किया था। कंपनी के एमडी और सीईओ राजीव सामंत हैं।

भारत का यूएई को निर्यात बढ़कर 83.71 करोड़ अमेरिकी डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली । भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट लागू होने के बाद इस साल मई-जून में यूएई को होने वाला निर्यात 16.22 फीसदी बढ़कर 83.71 करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया। सूत्रों के मुतो बिक पिछले साल की इसी अवधि में यह निर्यात 72.03 करोड़ अमेरिकी डॉलर रहा था। दोनों देशों के बीच कंप्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (सीईपीए) एक मई, 2022 से लागू हो चुका है। इस समझौते के तहत कपड़ा, कृषि, सूखे मेवे, रत्न और आभूषण जैसे विभिन्न क्षेत्रों के घरेलू निर्यातकों को यूएई के बाजार में ड्यूटी एक्सेस पहुंच मिल गई है। यूएई को भारत का निर्यात, जो कोविड-19 महामारी के पहले से लेकर अप्रैल 2022 तक नकारात्मक वृद्धि की दिशा में था, उसमें समझौता होने के बाद मई 2022 से तेजी आई है। सीईपीए पर हस्ताक्षर होने के बाद मई-जून 2022 में निर्यात 16.22 फीसदी बढ़कर 83.71 करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया। सोने के आभूषणों का निर्यात मई और जून में क्रमशः 62 फीसदी और 59 फीसदी बढ़कर 13.527 करोड़ अमेरिकी डॉलर और 18.57 करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया।

इलेक्ट्रॉनिक उद्योग को पैकेज पर विवरण क्यूआर कोड के जरिए देने का विकल्प

नई दिल्ली । केंद्र ने इलेक्ट्रॉनिक उद्योग को 15 जुलाई के बाद तथा एक साल की अवधि के लिए निर्मित उत्पादों के लेबल पर क्यूआर कोड के माध्यम से कुछ अनिवार्य विवरण घोषित करने की अनुमति दी है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने कहा कि हालांकि उद्योग को अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी), फोन नंबर तथा ई-मेल पता जैसा अनिवार्य विवरण पैकेज पर देना होगा। इन संशोधनों को विधिक माप विज्ञान (पैक किए गए उत्पाद) नियम 2011 के तहत लाया गया और ये 14 जुलाई से प्रभावी हुए। एक अधिकारी ने कहा कि पहले नियमानुसार कई घोषणाएं पैकेज पर करनी होती थीं। अब हमने इलेक्ट्रॉनिक उद्योग को क्यूआर कोड फॉर्म के जरिए कुछ अनिवार्य घोषणाओं का विकल्प दिया है। विवरण क्यूआर कोड के जरिए देने की स्थिति में पैकेज पर ग्राहकों को यह सूचना देनी होगी। यह विकल्प पहले एक साल के लिए दिया गया है क्योंकि सरकार इस प्रौद्योगिकी को पहली बार पायलट आधार पर इस्तेमाल करने की कोशिश कर रही है और जो प्रतिक्रिया मिलेगी उसके आधार पर इसे विस्तार देने के बारे में निर्णय लिया जाएगा।

यश बैंक ने एफडी पर लागू नियमों को और सख्त किया

- एफडी अब समय से पहले तोड़ी तो देना होगा अधिक जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)।

निजी क्षेत्र के यस बैंक ने एफडी पर लागू नियमों को और सख्त बना दिया है। अब बैंक के ग्राहकों को एफडी की समय पूर्व निकासी पर ज्यादा जुर्माना देना होगा। बैंक की वेबसाइट के अनुसार, हर अवधि की एफडी के लिए प्री मेच्योर निकासी दरें भी अलग-अलग हैं। इस पर जुर्माने की राशि में बदलाव किया गया है और नया नियम 8 अगस्त, 2022 से लागू हो जाएगा। इसके तहत एफडी को लॉक इन पीरियड से पहले तुड़वाने पर निवेशकों को जुर्माने के रूप में ज्यादा रकम चुकानी पड़ेगी। जुर्माने की राशि एफडी की अवधि के हिसाब से तय की जाएगी। बैंक के अनुसार, 181 दिन से कम समय वाली एफडी पर अब समय से पहले निकासी करने पर दोगुना जुर्माना देना होगा। बैंक ने इस पर जुर्माने की राशि 0.25 फीसदी से बढ़ाकर 0.50 फीसदी कर दिया है। 182 दिन या उससे ज्यादा अवधि वाली एफडी को समय से पहले तुड़वाने अथवा निकासी करने पर अब 0.75 फीसदी जुर्माना देना होगा, जो पहले 0.50 फीसदी था।

बैंक ने कहा है कि यह नियम वरिष्ठ नागरिकों पर लागू नहीं होंगे। एफडी पर पेनॉल्टी की व्यवस्था सभी तरह के ग्राहकों के लिए है। हालांकि, बैंक के कर्मचारियों को कुछ मामलों में रियायत दी गई है। इसके तहत 5 जुलाई, 2019 से 9 मई, 2021 के बीच एफडी कराने वाले कर्मचारियों को समय से पहले एफडी तुड़वाने अथवा निकासी करने पर नई व्यवस्था के अनुसार ही जुर्माना देना होगा। 10 मई 2021 के बाद एफडी कराने वालों को प्री मेच्योर निकासी पर कोई जुर्माना नहीं देना होगा। बैंक ने कहा है कि 5 जुलाई, 2019 से 15 मई, 2022 के बीच कराई गई एफडी पर वरिष्ठ नागरिकों को भी प्री मेच्योर निकासी करने पर नई व्यवस्था के अनुसार जुर्माना देना होगा। हालांकि, जिन वरिष्ठ नागरिकों ने 15 मई, 2022 के बाद एफडी कराई है, उन्हें समय से पहले निकासी करने पर जुर्माने की राशि नहीं देनी होगी। प्री मेच्योर पेनॉल्टी एफडी से पूरी राशि अथवा आंशिक निकासी दोनों पर ही लागू होगा। यस बैंक ने 18 जून को अपने एफडी पर ब्याज दरों में भी इजाफा किया था।

सुपरटेक डेवलपर प्रोजेक्ट पूरा करने होटल और शॉपिंग मॉल बेचेगी

मुंबई । (एजेंसी)

सुपरटेक डेवलपर कुछ लंबित प्रोजेक्ट पूरे करने के लिए अपने दो होटल और दो शॉपिंग मॉल बेचने पर विचार कर रही है। ये होटल और शॉपिंग मॉल उत्तर प्रदेश के मेरठ और उत्तराखंड के हरिद्वार में है। सुपरटेक लिमिटेड ने कहा कि उसकी योजना मेरठ और हरिद्वार स्थित चार वाणिज्यिक परिसंपत्तियों को अनुमानित 1,000 करोड़ रुपए में बेचने की है। यह मौजूदा परियोजनाओं के निर्माण में तेजी लाने और कर्ज चुकाने के उसके प्रयासों का हिस्सा है। कंपनी ने कुछ साल पहले भी इन परिसंपत्तियों को बिक्री के लिए रखा था लेकिन कोविड महामारी के कारण आतिथ्य तथा खुदरा क्षेत्रों के बुरी तरह प्रभावित होने से ऐसा हो नहीं सका। नोएडा की सुपरटेक लिमिटेड ने कहा कि मेरठ और हरिद्वार में शॉपिंग मॉलों और होटलों को बिक्री के लिए रखा है और उसका लक्ष्य इससे 1,000 करोड़ रुपए जुटाना है। मेरठ और हरिद्वार में सुपरटेक के एक-एक शॉपिंग मॉल और एक-एक होटल हैं।बीते 10 जून को नेशनल कंपनी लॉ अपीलेंट ट्रिब्यूनल की ओर से एक आदेश जारी किया गया था। इसमें सुपरटेक लिमिटेड के ग्रेटर नोएडा वेस्ट जिसे आमतौर नोएडा एक्सटेंशन भी कहा जाता है, के प्रोजेक्ट ईको विलेज-2 के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया चलाने का आदेश जारी किया गया। इस प्रोजेक्ट के लिए कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स का गठन को कहा गया है। इससे पहले 25 मार्च को एनसीएलटी की ओर से सुपरटेक लिमिटेड के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया चलाने का आदेश दिया गया था। यूनियन बैंक की ओर से इस बाबत याचिका दायर की गई थी। सुपरटेक पर यूनियन बैंक का 432 करोड़ बकाया है।

घटने से पहले शीर्ष पर जा सकती है मंहगाई, व्यापार घाटे और पूंजी निकासी पर कड़ी निगरानी की जरूरतः आरबीआई

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

बैंकों की शीर्ष निगरानी संस्था भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जुलाई 2022 के प्रकाशित अपने मासिक बुलेटिन में कहा है कि अस्थिर वैश्विक हालात के बीच व्यापार घाटे और विदेशी निवेशकों की ओर से जारी पूंजी निकासी पर सख्त निगरानी की जरूरत है। बुलेटिन में कई लेखों के जरिए भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर विचार किया गया है। बुलेटिन में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था मंदी और संघर्ष की चिंताओं के अलावा महत्वपूर्ण वैश्विक चुनौतियों का सामना मजबूती से कर रही है।

आरबीआइ के डिप्टी गवर्नर माइकल पात्रा की टीम की ओर से तैयार लेख में कहा गया कि जिंस की कीमतों में हालिया नरमी और सप्लाई चेन का दबाव कम होने से देश को महंगाई के जाल से बचने में मदद मिलेगी। लेख में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक अस्थिरता के सामने लचीली बनी हुई है, लेकिन भू-राजनीतिक बिखराव के कारण पुनरुद्धार की गति कम हो रही है। लेख में कहा गया है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन सकता है। हालांकि, मंदी का डर भी बना हुआ है। लेखकों का मानना है कि हाल में मानसून में हुए सुधार से कृषि गतिविधियों के बेहतर रहने की उम्मीद है, और ग्रामीण मांग जल्द ही तेजी पकड़ सकती है, जिससे पुनरुद्धार को मजबूती मिलेगी।

आरबीआई के बुलेटिन में आशंका जताई गई है कि महंगाई कम होने से पहले अपने उच्चतम स्तर तक जा सकती है। बता दें कि राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा 12 जुलाई, 2022 के आंकड़ों के अनुसार, खाद्य मुद्रास्फीति में कमी के कारण जून में लगातार दूसरे महीने उपभोक्ता मूल्य पर आधारित मुद्रास्फीति में कमी आई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) द्वारा मापी गई मुद्रास्फीति जून में घटकर 7.01 प्रतिशत हो गई, जो एक महीने पहले 7.04 प्रतिशत थी। लेख में कहा गया है कि मुद्रास्फीति के दबाव को कम करने के लिए दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों द्वारा सख्त मौद्रिक नीतियों का एलान किया रहा है। साथ ही कमोडिटी की कीमतों में नरमी लाने और सप्लाई चेन बनाए रखने की भरसक कोशिश की जा रही है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 580.3 अरब डॉलर

मुंबई । विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण भंडार और विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में कमी आने से देश का विदेशी मुद्रा भंडार 08 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 8.06 अरब डॉलर घटकर 580.3 अरब डॉलर रह गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह पांच अरब डॉलर घटकर 588.3 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार 08 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 6.7 अरब डॉलर कम होकर 518.1 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 1.24 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 39.2 अरब डॉलर पर रहा।

(शेयर बाजार समीक्षा) वैश्विक रुख और कंपनियों के तिमाही परिणाम से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रेंट कच्चे तेल के दाम भी बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगे

मुंबई (एजेंसी)।

शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह कंपनियों के तिमाही नतीजों, विदेशी निवेशकों के रुख, वैश्विक रुझान और रुपएके उतार-चढ़ाव से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रेंट कच्चे तेल के दाम भी बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगे।

बाजार के` विशेषज्ञों ने कहा कि इस सप्ताह सोमवार को बाजार एचडीएफसी बैंक के तिमाही नतीजों पर प्रतिक्रिया देगा। सप्ताह के दौरान अंबुजा सीमेंट, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इंडसइंड बैंक और विप्रो के तिमाही नतीजे भी आने हैं। वैश्विक मोर्चे पर बात की जाए, तो यूरोपीय केंद्रीय बैंक और बैंक ऑफ जापान का ब्याज दरों पर निर्णय और डॉलर इंडेक्स का रुख बाजार की दृष्टि से अहम होगा। इसके साथ ही बाजार की निगाह जिंस कीमतों और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के रुख पर रहेगी। बाजार के जानकार ने कहा कि किसी प्रमुख घटनाक्रम के अभाव में हमारा मानना है कि कंपनियों के तिमाही नतीजे और वैश्विक संकेतक बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगे। न सिर्फ देश में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच संघर्ष देखने को मिल रहा है। इसके साथ ही मुद्रास्फीति को लेकर बढ़ती चिंता तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी की आशंका की वजह से निकट भविष्य में भारतीय बाजारों में अनिश्चितता रहेगी। इस समय तिमाही नतीजों का दौर चल रहा है। बाजार के खिलाड़ियो को कंपनियों के आंकड़ों पर ध्यान देने के बजाय प्रबंधन के भविष्य के आकलन पर गौर करना चाहिए। बाजार विशेषज्ञ ने कहा कि तिमाही नतीजों के सीजन के जोर पकड़ने के साथ बाजार में शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिलेंगी। आगे चलकर बाजार में एक दायरे में कारोबार हो सकता है। सप्ताह के दौरान हिंदुस्तान जिंक, आइडीबीआइ, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, पीवीआर और रिलायंस इंडस्ट्रीज के तिमाही नतीजे भी आने हैं। कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी शोध (खुदरा) के प्रमुख ने कहा कि अप्रैल-जून तिमाही के नतीजों की घोषणा के साथ हमें अगले एक माह के दौरान शेयर और क्षेत्र विशेष गतिविधियां देखने को मिलेंगी।

एचडीएफसी बैंक का मुनाफा जून तिमाही में 19 फीसदी बढ़ा, आय में भी 14 फीसदी इजाफा

मुंबई (एजेंसी)।

देश के प्रमुख निजी बैंक एचडीएफसी बैंक के लिए चालू वित्त वर्ष 2022-23 की जून तिमाही अच्छी रही है। बैंक का मुनाफा 19 फीसदी बढ़कर 9196 करोड़ रुपए रहा है। एचडीएफसी बैंक ने एक साल पहले की अवधि में 7,729.64 करोड़ रुपए का लाभ कमाया था। नतीजे के मुताबिक जून 2022 तिमाही में बैंक को ब्याज से नेट इनकम समेत कुल 25869.6 करोड़ रुपये का टोटल रेवेन्यू हासिल हुआ। जून तिमाही के लिए शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 14.5 फीसदी बढ़कर 19,481.4 करोड़ हो गई, जो पिछले साल की समान तिमाही में 17,009.0 करोड़ थी। ब्याज आय में यह बढ़ोतरी एडवांसेज में 22.50 फीसदी, डिपॉजिट्स में 19.2 फीसदी और टोटल बैलेंस शीट में 20.3 फीसदी की ग्रोथ के दम आई है। बैंक का राजस्व जून तिमाही के लिए 19.8 फीसदी बढ़कर 27,181.4 करोड़ हो गया, जो पिछले साल की समान तिमाही के लिए 22,696.5 करोड़ था। बैंक का ग्रॉस एनपीए जून 2022 तिमाही में ग्रॉस एडवांसेज का1.28 फीसदी रहा। पिछले साल की जून 2021 तिमाही में यह आंकड़ा1.47 फीसदी था। इस एनपीए में मौसमी कृषि क्षेत्र का एनपीए शामिल नहीं है। बैंक ने एक साल में 725 नए ब्रांच खोले और 29038 नए कर्मियों को काम पर रखा। इनमें 36 ब्रांच जून तिमाही में खुले और 10932 कर्मियों को बैंक ने अप्रैल-जून 2022 तिमाही में काम पर रखा। जून तिमाही में प्रोविजंस एंड कांटिजेंसीज 3187.7 करोड़ रुपये था जबकि पिछले साल की समान तिमाही में यह आंकड़ा 4830.8 करोड़ रुपये पर था।

गिरता रुपया आम आदमी की जेब को प्रभा वित करेगा, जरूरी सामान होंगे महंगे

भारत से विदेश जाकर पढ़ाई कर रहे छात्रों की फीस फीस और रहने, खाने का खर्च भी होगा ज्यादा

मुंबई (एजेंसी)।

रुपया पिछले काफी समय से यह लगातार गिर रहा है। इस समय एक डॉलर के मुकाबले रुपया की कीमत लगभग 80 रुपए पहुंच गई है। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि ग्लोबल परिस्थिति, अमेरिका में महंगाई और मंदी की आशंका की वजह से रुपया में तुरन्त कोई सुधार की संभावना नहीं दिख रही है। बल्कि रुपया यहां से भी नीचे जा सकता है। शनिवार को रुपया 6 पैसा कमजोर होकर 79.94 के स्तर पर खुला था और दिन के कारोबार में इसने 79.95 पर था। आखिरी सत्र में रुपया ने थोड़ी बहुत रिकवरी दिखाई और 79.88 के स्तर पर बंद हुआ। यह रिकॉर्ड निम्न स्तर है। रुपया की कमजोरी का असर जहां अर्थव्यवस्था पर पड़ता है वहीं यह आम आदमी की जेब पर भी असर डालती है। . विशेषज्ञों के मुताबिक रुपया गिरने का सबसे बड़ा असर आयात पर पड़ता है। आयात होने वाले क्रूड ऑयल और इलेक्ट्रॉनिक सामान के साथ विदेशों में पढ़ाई और विदेश यात्रा दोनों महंगी हो जाती है। आयात होने वाला हर उत्पाद महंगा होने लगता है। आयातकों को इससे सबसे ज्यादा नुकसान होता है क्योंकि उन्हें किसी भी सामान के लिए ज्यादा पैसे चुकाने पड़ते हैं। वहीं, दूसरी तरफ निर्यातकों को देश के बाहर माल बेचने वालों को काफी फायदा होता है। उन्हें डॉलर के बदले ज्यादा रुपया मिलता है। भारत पेट्रोलियम उत्पाद का सबसे बड़ा खरीदार है। लिहाजा गिरते रुपया से पेट्रोल-डीजल सस्ता होने की उम्मीद हमें छोड़नी पड़ेगी। तेल के अलावा बाहर से मंगाए जाने लैपटॉप, मोबाइल फोन, कार, ऑटो पार्ट्स और दूसरे उपकरण महंगे मिलेंगे. इसका सीधा असर आम आदमी की जेब पर होगा। भारत से बड़ी संख्या में छात्र विदेशों में पढ़ाई करते हैं। उन पर भी सीधा असर होगा। उनको फीस के साथ-साथ रहने खाने का खर्च भी ज्यादा पड़ेगा। दूसरी तरफ आरबीआई के रेट हाइक के चलते एजुकेशन लोन भी ईएमआई भी बढ़ जाएगी। साथ ही यात्रा में ज्यादा पैसा देना पड़ेगा।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली की रफ्तार हुई कम,जुलाई में 7432 करोड़ निकाले

मुंबई (एजेंसी)।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली लगातार 9 महीने से जारी है। भारतीय बाजार से एफपीआई लगातार पैसा निकाल रहे हैं। जुलाई महीने में भी विदेशी निवेशकों की पूंजी निकासी जारी है। हालांकि जुलाई में बिकवाली की रफ्तार धीमी पड़ रही है। पिछले महीने की तुलना में इस बार काफी कम पूंजी निकाली गई है। जुलाई महीने में दो सप्ताह निकल गया है और अभी तक एफपीआई की बिकवाली 10 हजार करोड़ रुपए के अन्दर ही है, तो क्या इसको ट्रेंड में बदलाव का संकेत माना जा सकता है। विशेषज्ञों की इस पर अलग अलग राय है। एनएसडीएल के आंकड़ों के मुताबिक 1-15 जुलाई से इक्विटी बाजार में एफपीआई की फंड निकासी 7,432 करोड़ रुपए की रही। वहीं से 18 जून के बीच इक्विटी बाजार में एफपीआई ने 31,430 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। यह अन्तर बड़ा और यह दिखाता है कि विदेशी निवेशकों की बिकवाली धीमी पड़ रही है।

कुल मिलाकर, जून में विदेशी निवेशकों ने रिकॉर्ड फंड निकासी की। जून में इक्विटी बाजार से कुल निकासी 50,203 करोड़ रुपए की रही। यह आंकड़ा साल 2022 में महीने के हिसाब से सबसे ज्यादा है। अप्रैल-जून 2020 की अवधि से भारतीय इक्विटी में एफपीआई की निकासी 1,07,340 करोड़ रुपए थी। वहीं, 2022 की पहली छमाही (जनवरी-जून) में, बाजार से लगभग 2,17,358 करोड़ रुपए का फंड बाहर गया। इस साल अब तक, एफपीआई ने 2,24,790 करोड़ की भारी निकासी की है, जो कि समग्र भारतीय बाजार में कुल बिकवाली का लगभग 95 फीसदी है। इक्विटी, डेट, डेट-वीआरआर और हाइब्रिड सहित भारतीय बाजार में विदेशी फंड की निकासी लगभग 2,36,672 करोड़ रुपए की है।

हिंदुस्तान जिंक को जिंक अलॉय संयंत्र लगाने की मंजूरी मिलीः सीईओ

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक का इरादा जिंक अलॉय उत्पादन में अपनी पैठ बढ़ाने का है। हिंदुस्तान जिंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अरुण मिश्रा ने कहा है कि कंपनी को जिंक अलॉय के उत्पादन के लिए सालाना 30 किलो टन के संयंत्र की स्थापना की मंजूरी मिल गई हैइस कदम से कंपनी मूल्यवर्धित जिंक अलॉय उत्पादों का उत्पादन कर सकेगी और घरेलू बाजार में अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता के उत्पाद उतार सकेगी। मिश्रा ने कंपनी की 2021-22 की एकीकृत वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि हम अपनी महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए आगे बढ़ रहे हैं। इसी के मद्देनजर हम जिंक अलॉय उत्पादन में अपनी पहुंच बढ़ा रहे हैं। हमें हिंदुस्तान जिंक अलॉय प्राइवेट लिमिटेड (एचजेडएपीएल) के लिए 30 किलो टन के संयंत्र की स्थापना के लिए मंजूरी मिल गई है।

एचजेडएपीएल हिंदुस्तान जिंक की अनुषंगी कंपनी है। सूत्रों ने बताया कि यह संयंत्र राजस्थान के दरीबा में स्थापित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कंपनी को निदेशक मंडल से दीर्घावधि की 200 मेगावॉट क्षमता तक नवीकरणीय ऊर्जा विकास योजना के लिए भी मंजूरी मिल गई है। यह कंपनी के शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य के अनुरूप है।

HINDUSTAN ZINC

भारत के फास्ट बॉलर नवदीप सैनी इंग्लिश काउंटी टीम केंट के लिए वर्तमान श्रंखला में खेलेंगे आठ मैच

केंट । भारत के फास्ट बॉलर नवदीप सैनी इंग्लिश काउंटी टीम केंट के लिए वर्तमान श्रंखला में आठ मैच खेलेंगे। सैनी इस काउंटी के लिये खेलने वाले राहुल द्रविड़ के बाद भारत के दूसरे टेस्ट क्रिकेटर होंगे। वह 96 नंबर की शर्ट पहनेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ इस महीने की शुरूआत में बर्मिंघम टेस्ट से पहले वह भारतीय टीम के साथ नेट गेंदबाज के तौर पर थे। केंट काउंटी ने अपनी वेबसाइट पर लिखा, केंट क्रिकेट को तीन काउंटी चैम्पियनशिप मैचों और पांच रॉयल लंदन कप मैचों के लिये भारत के अंतरराष्ट्रीय तेज गेंदबाज नवदीप सैनी के साथ करार की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। वो काउंटी चैम्पियनशिप के तीन मुकाबले खेलने के साथ रॉयल लंदन कप के भी पांच मैच खेलेंगे। सैनी भारत के लिये तीनों प्रारूप खेल चुके हैं। उन्होंने अगस्त 2019 में पदार्पण किया था। सैनी की गिनती भारत के पांच सबसे तेज पांच गेंदबाजों में होती है। वो 95 मील प्रति घंटा की रफ्तार तक गेंदबाजी कर लेते हैं। उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 28.80 की औसत से कुल 148 विकेट लिए हैं। उनका इकोनॉमी रेट भी तीन के भीतर ही है। नवदीप सैनी आईपीएल 2022 में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेले थे।

बांग्लादेश ने वेस्टइंडीज को तीसरे एकदिवसीय में हराकर 3-0 से सीरीज जीती

ताजुल बने प्लेयर ऑफ द मैच

बारबाडोस (एजेंसी)। स्पिनर ताजुल इस्लाम की शानदार गेंदबाजी से बांग्लादेश ने वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के सभी मैच जीते हैं। ताजुल ने तीसरे एकदिवसीय में 5 विकेट लिए। इस मैच में मेजबान वेस्टइंडीज की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 178 रन बनाये। इसके बाद मेहमान टीम बांग्लादेश ने जीत के लिए मिले 179 रनों के लक्ष्य को 48.3 ओवर में ही 6 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इस तरह से बांग्लादेश ने 3-0 से सीरीज जीत ली।

इस मैच में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर वेस्टइंडीज टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। वेस्टइंडीज. टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने शुरुआत में ही 3 विकेट खो दिये। इसके बाद कप्तान निकोलस पूरन और कार्टी ने अर्धशतक लगाकर पारी को संभाला। . वेस्टइंडीज की ओर से पूरन ने सबसे ज्यादा 73 रन बनाए।

वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। नजमुल सांतो एक रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान तमीम इकबाल और लिटन दास ने टीम को संभाला। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 50 रन जोड़े. तमीम 52 गेंद पर 34 रन बनाकर आउट हुए। वहीं लिटन ने 65 गेंद पर 50 रन बनाए। लिटन के आउट होने के बाद नुरुल हसन और मेहदी हसन ने टीम को संभाला। नुरुल 38 32 और मेहदी 16 रन बनाकर आउट नहीं हुए।

बांग्लादेशी क्रिकेटर तमीम ने टी20 प्रारुप से संन्यास लिया

गयाना (एजेंसी)। बांग्लादेश की एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान तमीम इकबाल ने टी20 क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। तमीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां हुए तीसरे और अंतिम मैच के बाद खेल से संन्यास की घोषणा की। तमीम की कप्तानी में ही बांग्लादेश ने वेस्टइंडीज को सीरीज में 3-0 से हराया था। बांग्लादेश ने गयाना में खेला गया अंतिम मुकाबला 4 विकेट से जीता। सीरीज जीतने के फौरन बाद तमीम ने अपने फेसबुक पेज पर लिखा, मुझे आज से ही टी20 क्रिकेट से रिटायर समझा जाए। सभी लोगों का शुक्रिया। इसके साथ ही तमीम के आगे भी टी20 क्रिकेट खेलने की संभावनाएं समाप्त हो गयीं। उन्होंने इस साल की शुरुआत में ही टी20 क्रिकेट से ब्रेक लिया था. तब उन्होंने कहा था कि वह 6 महीने के लिए इस प्रारुप से दूर हो रहे हैं। तमीम ने इसी साल 27 जनवरी को कहा था, मेरा पूरा ध्यान अब टेस्ट और एकदिवसीय पर रहेगा। हम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और 2023 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने की तैयारी कर रहे हैं। मैं अगले छह महीनों में टी20 के बारे में विचार नहीं करुंगा। मुझे उम्मीद है कि सभी खिलाड़ी इतना अच्छा करेंगे कि टीम को टी20 में मेरी जरूरत नहीं रहेगी। तमीम ने पिछले साल ही टी20 विश्व कप से संन्यास लेते हुए कहा था सौम्या सरकार और मोहम्मद नईम को सलामी बल्लेबाज के रूप में अवसर देना चाहिये।

अंजुम मोदगिल ने निशानेबाजी विश्व कप में जीता कांस्य पदक

चांगवन । भारत की अंजुम मोदगिल ने रविवार को यहां आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप की महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। अंजुम फाइनल में 402.9 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। उन्होंने नीलिंग में 100.7, प्रोन में 101.6 और स्टैंडिंग पोजीशन में 200.6 अंक जुटाए। जर्मनी की अन्ना जेनसन ने स्वर्ण जबकि इटली की बारबरा गैमबारो ने रजत पदक जीता। अंजुम ने 2018 चांगवन विश्व कप में रजत पदक जीता था। भारत चार स्वर्ण, पांच रजत और दो कांस्य पदक सहित कुल 11 पदक के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर चल रहा है।

सिंधु ने वांग को हराकर सिंगापुर ओपन जीता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की पीवी सिंधु ने चीन की वांग झी यी को हराकर सिंगापुर ओपन बैडमिंटन खिताब जीत लिया है। सिंधु ने महिला एकल में तीन सेट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में वांग को 21-9, 11-21, 21-15 से हराया। इससे पहले सिंधु ने सेमीफाइनल मुकाबले में जापान की साइना कावाकामी को हराया था। सिंधु ने पहले राउंड में लियान टैन को हराया था। इसके बाद उन्होंने लिन ग्यूयेन और क्वार्टर फाइनल में हैन यूई पर जीत दर्ज की थी. खिताबी मुकाबले में पहला सेट सिंधु ने जीता पर दूसरे सेट में चीनी खिलाड़ी ने शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। इसके बाद तीसरे और निर्णायक सेट में फिर सिंधु ने जीत हासिल कर खिताब पर कब्जा कर लिया। तीसरा सेट में एक समय 80-10 अंक हासिल कर सिंधु और वांग बराबरी पर थीं। इसके बाद सिंधु ने बढ़त दर्ज करते हुए 21-15 के अंतर से इसे अपने नाम किया। सिंधु ने पहली बार सिंगापुर ओपन सुपर 500 ट्रॉफी जीती है। इस सत्र में उनका यह तीसरा खिताब है। इससे पहले सिंधु ने सैयद मोदी और स्विस ओपन भी जीता था। इस जीत से राष्ट्रमण्डल खेलों के लिए सिंधु का मनोबल बढ़ेगा जिससे उनके स्वर्ण जीतने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी।

संक्षिप्त समाचार

हॉकी इंडिया शीघ्र चुनाव कराये : एफआईएच

लुसाने । अंतरराष्ट्रीय हॉकी संघ (एफआईएच) ने हॉकी इंडिया से शीघ्र चुनाव कराने को कहा है। एफआईएच ने इस बारे में हॉकी इंडिया के प्रशासकों को एक पत्र भी लिखा है। एफआईएच के अनुसार अगर ऐसा नहीं हुआ तो भारत से अगले साल जनवरी में ओडिशा में होने वाले पुरुष विश्वकप की मेजबानी वापस ले ली जाएगी। एफआईएच के अनुसार चुनाव नहीं होने से भुवनेश्वर और राउरकेला में जनवरी 2023 में होने वाले पुरुष विश्व कप की मेजबानी को खतरा पैदा हो जाएगा। अब कार्यकारी बोर्ड की अगली बैठक 3 नवंबर को होगी, जिसके बाद 4 और 5 नवंबर को एफआईएच की एक वर्चुअल कांग्रेस होगी। इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने मई में हॉकी इंडिया के संचालन के लिए 3 सदस्यीय प्रशासकों की समिति की नियुक्ति की थी। अदालत ने ओलंपियन असलम शेर खान की याचिका पर यह व्यवस्था दी थी क्योंकि असलम ने हॉकी इंडिया के आजीवन सदस्य के तौर पर भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा की नियुक्ति पर सवाल उठाये थे। अदालत ने कहा था कि आजीवन सदस्य के तौर पर बत्रा की नियुक्ति और सीईओ के तौर पर एलेना नॉर्मन की नियुक्ति गलत है। वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका को एफआईएच इंडोर विश्व कप की मेजबानी मिली है। इससे पहले इंडोर विश्व कप कोरोना महामारी के कारण स्थगित हो गया था। यह प्रिटोरिया में 5 से 11 फरवरी के बीच होगा। इसमें भी कई देशों के खिलाड़ी उतरेंगे। कोरोना के कारण पिछले दो साल के अंदर कई टूर्नामेंट स्थगित किये गये थे।

मुरली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सातवे स्थान पर रहे

नई दिल्ली । भारत के मुरली श्रीशंकर विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सातवे स्थान पर रहे हैं। मुरली फाइनल में 7.96 तक की ही छलांग लगा पाये।वहीं चीन के जियानन वांग ने 8.36 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने अपने सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। वहीं यूनान के मिल्टियाडीस ने 8.32 मीटर की छलांग लगाकर दूसरा स्थान हासिल करने के साथ ही रजत जीता। स्विट्जरलैंड के सिमोन हैमर ने 8.16 मीटर के साथ ही कांस्य पदक हासिल किया। फाइनल में पहुंचने वाले शीर्ष-6 खिलाड़ियों ने 8 मीटर का मार्क हासिल किया है। इससे पहले भारत की ही पारुल चौधरीमहिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज के फाइनल से हार के साथ ही बाहर हो गई है।

टी20 विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने के बाद जिम्बाब्वे के खिलाड़ियों ने मनाया जश्न

सिडनी (एजेंसी)। जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया में इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर लिया है। जिम्बाब्वे ने पापुआ न्यू गिनी पर जीत के साथ ही विश्व कप के इस छोटे प्रारुप के लिए प्रवेश हासिल किया। प्रवेश मिलने ही जिम्बाब्वे के खिलाड़ियों ने जमकर जश्न मनाया। जिम्बाब्वे के अलावा नीदरलैंड की क्रिकेट टीम ने भी विश्व कप के लिए प्रवेश हासिल कर लिया है। इसी के साथ ही विश्व कप में पहुंचने वाली टीमों की संख्या 16 हो गयी है। ज़िम्बाब्वे और नीदरलैंड विश्व कप में खेलने वाली 15वीं और 16वीं टीम बनी है। विश्व कप में जगह मिलने के बाद जिम्बाब्वे के खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में खुशी मनाते हुए दिखे। इसका एक वीडियो भी जिम्बाब्वे क्रिकेट एसोसिएशन ने अपने ट्विटर अकाउंट से साझा किया है। जिम्बाब्वे क्रिकेट एसोसिएशन ने खिलाड़ियों के ड्रेसिंग रूम का जो वीडियो जारी किया है। उसमें सभी खिलाड़ी अपना बल्ला जोर-जोर से जमीन पर मार कर खुश हो रहे हैं। यह अफ्रीकी देशों के कबीलों का खुशी मनाने का पारंपरिक तरीका है। जिम्बाब्वे की टीम के लिए यह बड़ी उपलब्धि है क्योंकि जिम्बाब्वे

की टीम पिछले साल टी20 विश्व कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई थी। जिम्बाब्वे आईसीसी के 10 टीम नियम के कारण साल 2019 विश्व कप में भी जगह नहीं पायी थी।

वहीं एक अन्य मुकाबले में नीदरलैंड ने अमेरिका को हराकर क्वालिफायर के फाइनल में जगह बनाई। अब नीदरलैंड और जिम्बाब्वे के बीच टी20 विश्व कप क्वाफिफायर का फाइनल खेला जाएगा, जो टीम फाइनल जीतेगी वो विश्व कप में ग्रुप-बी में जगह बना लेगी। वहीं, हारने वाली टीम ग्रुप-ए में रहेगी।

भारतीय उम्मीदों को झटका, गोला फेंक एथलीट तेजिंदरपाल सिंह तूर राष्ट्रमंडल खेलों से हटे

नई दिल्ली । शीर्ष भारतीय गोला फेंक एथलीट तेजिंदरपाल सिंह तूर अमेरिका के यूजीन में चल रही विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप से पहले लगी 'ग्रोइन' चोट के कारण आगामी राष्ट्रमंडल खेलों से बाहर हो गए। एशियाई रिकॉर्डधारी तूर इस चोट के कारण यूजीन में अपनी स्पर्धा में हिस्सा नहीं ले सके। तूर को यह चोट चार दिन पहले अमेरिका में चुला विस्टा में लगी जहां भारतीय टीम ने थोड़े समय के लिये ट्रेनिंग अभ्यास किया था। उन्होंने स्पर्धा के लिए कुछ अभ्यास थ्रो फेंके, लेकिन दर्द के कारण फिर हटने का फैसला किया। तूर ने कहा, नहीं, मैं इस ग्रोइन चोट के कारण राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा नहीं ले पाऊंगा। चार दिन पहले चुला विस्टा में मेरे ग्रोइन मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था और इससे मेरे प्रदर्शन पर काफी असर पड़ा। मैं रिहैबिलिटेशन करूंगा और भविष्य की प्रतियोगिताओं में मजबूत वापसी करुंगा। तूर को 28 जुलाई से आठ अगस्त तक चलने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिये 36 सदस्यीय भारतीय टीम में चुना गया था। लेकिन उनका चयन कजाखस्तान में एक प्रतियोगिता के प्रदर्शन पर निर्भर था। वह भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) द्वारा तय किए 20.50 मीटर के क्वालीफाइंग मानक से चूक गये थे।

37 साल की उम्र में एक बार फिर मैदान पर वापसी करेंगे पार्थिव पटेल, 2002 में किया था डेब्यू

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय विकेटकीपर पार्थिव पटेल एक बार फिर से क्रिकेट मैदान पर वापसी करने को तैयार हैं। पार्थिव 37 साल की उम्र में लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) में नजर आएंगे। पार्थिव इस लीग के दूसरे सीजन का हिस्सा होंगे, जो सितंबर में खेला जाएगा। पार्थिव इस तरह पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग, इरफान पठान, यूसुफ पठान, हरभजन सिंह, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेट ली, महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन और विश्व कप विजेता इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ऑयन मॉर्गन के साथ जुड़ जाएंगे। पार्थिव ने साल 2002 में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था। उन्होंने तब इंग्लैंड के खिलाफ नॉटिंघम के ट्रेंट ब्रिज में खेले गए टेस्ट मैच में विकेटकीपिंग संभाली थी। उन्होंने 2003 में वनडे जबकि 2011 में टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। पार्थिव के नाम टेस्ट में कुल 934 जबकि वनडे में 736 रन दर्ज हैं। उन्होंने टेस्ट में 6 और वनडे में 4 अर्धशतक लगाए हैं। उन्होंने दिसंबर 2020 में क्रिकेट के हर फॉर्मेट से रिटायरमेंट ले लिया था। पार्थिव पटेल के अलावा 3 अन्य पूर्व खिलाड़ी- स्पिनर प्रज्ञान ओझा, ऑलराउंडर रीतिंदर सोढी और तेज गेंदबाज अशोक डिंडा ने भी लीग की प्लेयर्स ड्राफ्ट प्रक्रिया का हिस्सा बनने की पुष्टि कर दी है। टूर्नामेंट का शुरुआती चरण ओमान में खेला गया था जिसमें भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटरों ने भारत, एशिया और वर्ल्ड इलेवन, तीन टीमों का प्रतिनिधित्व किया एलएलसी के दूसरे सत्र में चार टीमें और 110 पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर खेलेंगे। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल जॉनसन और श्रीलंका के पूर्व कप्तान थिसारा परेरा भी लीग से जुड़ गए हैं।

विराट सोशल मीडिया से दूर रहकर अपने खेल पर ध्यान दें : अख्तर

लाहौर(एजेंसी) । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम के बाद अब पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली का बचाव किया है। विराट लंबे समय से फार्म में नहीं हैं , ऐसे में उन्हें टीम से बाहर किये जाने की मांग की जा रही है। अख्तर ने विराट को बाहर किये जाने की मांग करने वालों को आड़े हाथों लिया है। इसके साथ ही विराट को सलाह दी है कि वो कुछ समय के लिए सोशल मीडिया से दूर रहकर अपने खेल पर ध्यान दें। अख्तर ने विराट को लेकर एक वीडियो भी साझा किया है। इसमें विराट की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि 70 शतक लगाना कोई हंसी खेल नहीं है। कोई महान क्रिकेटर ही यह कर सकता है। किसी सामान्य खिलाड़ी के लिए ऐसा करना संभव नहीं है। साथ ही कहा कि विराट को कुछ बातों का ध्यान रखना होगा। अख्तर ने महान ऑलराउंडर कपिल देव के विराट को हटाये जाने के बयान पर कहा कि कपिल स्वयं खुद महान खिलाड़ी रहे हैं, इसलिए अगर उनकी ऐसी राय है तो वो कह सकते हैं, पर मुझे लगता है कि 70 शतक लगाने वाले खिलाड़ी को एकदम से बाहर नहीं किया जा सकता। अख्तर ने साथ ही विराट से कहा , अब आपको कप्तान के तौर पर अपने कार्यकाल को भूलना चाहिये। इससे आगे बढ़ें और एक अच्छे बल्लेबाज के तौर पर खेलने का प्रयास करें। आप रन नहीं बना पर रहे तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

इस दौरान होने वाली आलोचना से आप बेहतर होकर ही उभरेंगे। मुझे उम्मीद है कि अभी आप 30

शतक और लगायेंगे। मेरा मानना है कि अभी आप युवा होने के साथ ही फिट भी है , इसलिए सौ से ज्यादा शतक भी लगा सकते हैं। अख्तर ने बताया कि कोहली रन बनाने के लिए जल्दबाजी कर रहे हैं। इसी वजह से वो विकेट गंवा रहे हैं इसकी जगह उन्हें क्रीज पर समय बिताना चाहिये। इसके बाद रन अपने आप बनने लगेंगे। आपको किसी भी गेंदबाज से डरने की जगह अपने खेल पर ध्यान देना चाहिये।

इस कठिन समय में निराश होने की जगह आपको संयम रखते हुए खेलना होगा।

यूजीन में विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में अमेरिका की चेस इले महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने के बाद उत्साहित नजर आयीं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

श्रावण मास पर रुद्र के माहात्म्य

सावन में रुद्राभिषेक की परंपरा है। शिवजी को रुद्र इसलिए कहा जाता है, क्योंकि मान्यता है कि वे रुत अर्थात दैहिक, दैविक और भौतिक दुखों का नाश करते हैं। श्रावण मास पर रुद्र के माहात्म्य पर आलेख..

वेद सर्वाधिक प्राचीन ग्रंथ माने जाते हैं। शास्त्रों के अनुसार, वेद- शिव- शिवो वेद- यानी वेद शिव हैं और शिव वेद हैं। अर्थात शिव वेदस्वरूप हैं। इसके साथ ही वेद को भगवान सदाशिव का निःश्वास बताते हुए उनकी स्तुति में कहा गया है - यस्य निःश्वसितं वेदायो वेदेभ्योखिलं जगत। निर्ममे तमहं वंदे विद्यातीर्थ महेश्वरम।। अर्थात वेद जिनके निःश्वास हैं, जिन्होंने वेदों के माध्यम से संपूर्ण सृष्टि की रचना की है और जो समस्त विद्याओं के तीर्थ हैं, ऐसे देवों के देव महादेव की मैं वंदना करता हूं। सनातन संस्कृति में वेदों की तरह शिव जी को भी अनादि कहा गया है।

वेदों में साम्ब सदाशिव को रुद्र नाम से पुकारा गया है। शिवजी को रुद्र इसलिए कहा जाता है, क्योंकि ये रुत अर्थात दुख को दूर कर देते हैं। जो दैहिक, दैविक और भौतिक दुखों का नाश करते हैं, वे रुद्र हैं। इसीलिए उन्होंने त्रिशूल धारण किया है। रुद्रहृदयोपनिषद कहता है, सर्वदेवात्मको रुद्रः अर्थात रुद्र सर्वदेवमय हैं। अथर्व शिखोपनिषद भी इसका समर्थन करता है - रुद्रो वै सर्वा देवता अर्थात रुद्र समस्त देवताओं का स्वरूप हैं। यजुर्वेद के रुद्राध्याय में रुद्रोपासना का विधान मिलता है। इसमें रुद्र शब्द के सौ पर्यायवाची नामों का उल्लेख होने से इसे शतरुद्री भी कहते हैं। माना जाता है कि शतरुद्री के माहात्म्य का उपदेश महर्षि याज्ञवल्क्य ने राजा जनक को दिया था। श्वेताश्वतरोपनिषदके अनुसार, महाप्रलय के समय एकमात्र रुद्र ही विद्यमान रहते हैं। श्रुतियों से यह तथ्य विदित होता है कि रुद्र ही परमपुरुष यानी आदिदेव साकार बहमा हैं, जिनके द्वारा ही सृष्टि की रचना, पालन और संहार होता है। ब्रहमा, विष्णु और महेश इनकी त्रिमूर्ति हैं। रुद्र का परिचय शास्त्रों में इस प्रकार भी दिया गया है - अशुभं द्रावयन् रुद्रो यज्जाहार पुनर्भवम। ततः स्मृताभिधो रुद्रशब्देनात्राभिधीयते।। अर्थात जो प्राणी जीवनकाल में सब अनिष्टों को दूर करते हैं और शरीर त्यागने पर मुक्ति प्रदान करते हैं, वे सदाशिव रुद्र के नाम से जाने जाते हैं। इसी कारण दुखों-कष्टों से मुक्ति तथा सद्गति प्राप्त करने के उद्देश्य से मनुष्य रुद्रोपासना करता आया है।

रुद्र को अभिषेकप्रिय रुद्र कहा गया है, यानी उन्हें अभिषेक पसंद है। इसीलिए सावन के महीने में रुद्र का अभिषेक किया जाता है। सामान्यतः लोग जल द्वारा अभिषेक करते हैं, तो सामर्थ्यवान दूध, दही, शहद आदि विभिन्न द्रव्यों से उनका अभिषेक करते हैं। मान्यता है कि श्रावण मास में भगवान शिव ने समुद्र मंथन से उत्पन्न विष को जनकल्याण के लिए पिया था, तब इंद्र ने शीतलता देने के लिए वर्षा की थी, इसी कारण श्रावण मास में शिव जी को जल अर्पित करने की परंपरा शुरू हुइ। भगवान शंकर की शक्ति पार्वती पर्वतराज हिमालय की पुत्री हैं। हमने पर्वतीय क्षेत्र को जो क्षति पहुंचाई है, उसके विनाशकारी परिणाम दिखाई देते हैं। इसलिए हमें हिमालय की पवित्रता बनाए रखने का संकल्प इस सावन में लेना चाहिए, तभी शिवार्चन सफल हो सकेगा और शिव हमेशा कल्याणकारी होंगे।

ऐसे करें शिव को प्रसन्न

श्रावण मास में आने वाले सोमवार के दिनों में भगवान शिवजी का व्रत करना चाहिए और व्रत करने के बाद भगवान श्री गणेश जी, भगवान शिवजी, माता पार्वती व नन्दी देव की पूजा करनी चाहिए। पूजन सामग्री में जल, दुध, दही, चीनी, घी, शहद, पंचामृत,मोली, वस्त्र, जनेऊ, चन्दन, रोली, चावल, फूल, बेल-पत्र, भा ंग, आक-धतूरा, कमल,गट्ठा, प्रसाद, पान-सुपारी, लौंग, इलायची, मेवा, दक्षिणा चढाया जाता है। इस दिन धूप दीया जलाकर कपूर से आरती करनी चाहिए। व्रत के दिन पूजा करने के बाद एक बार भोजन करना चाहिए। और श्रावण मास में इस माह की विशेषता का श्रवण करना चाहिए।

श्रावण मास शिव उपासना महत्व

भगवान शिव को श्रावण मास सबसे अधिक प्रिय है। इस माह में प्रत्येक सोमवार के दिन भगवान श्री शिव की पूजा करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। इस मास में भक्त भगवान शकर का पूजन व अभिषेक करते है। सभी देवों में भगवान शकर के विषय में यह मान्यता प्रसिद्ध है, कि भगवान भोलेनाथ शीघ्र प्रसन्न होते है। एक छोटे से बिल्वपत्र को चढ़ाने मात्र से तीन जन्मों के पाप नष्ट होते है।

श्रावण मास के विषय में प्रसिद्ध एक पौराणिक मान्यता के अनुसार श्रावण मास के सोमवार व्रत, एक प्रदोष व्रत तथा और शिवरात्री का व्रत जो व्यक्ति करता है, उसकी कोई कामना अधूरी नहीं रहती है। 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन के समान यह व्रत फल देता है।

इस व्रत का पालन कई उद्देश्यों से किया जा सकता है। महिलाएं श्रावण के 16 सोमवार के व्रत अपने वैवाहिक जीवन की लंबी आयु और संतान की सुख-समृद्धि के लिये करती है, तो यह अविवाहित कन्याएं इस व्रत को पूर्ण श्रद्धा से कर मनोवांछित वर की प्राप्ति करती है। सावन के 16 सोमवार के व्रत कुल वृद्धि, लक्ष्मी प्राप्ति और सुख -सम्मान के लिये किया जाता है।

शिव पूजन में बेलपत्र प्रयोग करना

भगवान शिव की पूजा जब बेलपत्र से की जाती है, तो भगवान अपने भक्त की कामना बिना कहे ही पूरी करते है. बिल्व पत्र के बारे में यह मान्यता प्रसिद्ध है, कि बेल के पेड़ को जो भक्त पानी या गंगाजल से सींचता है, उसे समस्त तीथरें की प्राप्ति होती है। वह भक्त इस लोक में सुख भोगकर, शिवलोक में प्रस्थान करता है। बिल्व पत्थर की जड़ में भगवान शिव का वास माना गया है। यह पूजन व्यक्ति को सभी तीथरें में स्नान करने का फल देता है।

सावन माह व्रत विधि

सावन के व्रत करने से व्यक्ति को सभी तीथरें के दर्शन करने से अधिक पुन्य फल प्राप्त होते है। जिस व्यक्ति को यह व्रत करना हो, व्रत के दिन प्रातः काल में शीघ्र सूर्योदय से पहले उठना चाहिए। श्रावण मास में केवल भगवान श्री शकर की ही पूजा नहीं की जाती है, बल्कि भगवान शिव की परिवार सहित पूजा करनी चाहिए। सावन सोमवार व्रत सूर्योदय से शुरु होकर सूर्यास्त तक किया जाता है। व्रत के दिन सोमवार व्रत कथा सुननी चाहिए। तथा व्रत करने वाले व्यक्ति को दिन में सूर्यास्त के बाद एक बार भोजन करना चाहिए।

प्रातःकाल में उठने के बाद स्नान और नित्यक्रियाओं से निवृत होना चाहिए। इसके बाद सारे घर की सफाई कर, पूरे घर में गंगा जल या शुद्ध जल छिड़कर, घर को शुद्ध करना चाहिए। इसके बाद घर के ईशान कोण दिशा में भगवान शिव की मूर्ति या चित्र स्थापित करना चाहिए। मूर्ति स्थापना के बाद सावन मास व्रत संकल्प लेना चाहिए।

श्रीमल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के दर्शन से पूरी होती हैं मनोकामनाएं

दक्षिण भारत में कैलाश के नाम से मशहूर आंध्र प्रदेश का श्रीमल्लिकार्जुन मंदिर भारत के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यह ज्योतिर्लिंग कृष्णा नदी के तट पर श्रीसैलम नाम के पर्वत पर स्थित है। ऐसी मान्यता है कि इस मंदिर के दर्शन करने से सात्विक मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

श्रीमल्लिकार्जुन का पौराणिक महत्व

एक बार भगवान शिव और पार्वती के पुत्र कार्तिकेय स्वामी और गणेश अपने विवाह के लिए आपस में कलह करने लगे। कार्तिकेय का मानना था कि वे बड़े हैं, इसलिए उनका विवाह पहले होना चाहिए, किन्तु श्री गणेश अपना विवाह पहले कराने को लेकर जिद्द पर अड़े थे। जब दोनों के झगड़े की वजह पिता महादेव और माता पार्वती को पता लगी तो उन्होंने इस झगड़े को खत्म करने के लिए कार्तिकेय और गणेश के सामने एक प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि तुम दोनों में जो कोई भी पृथ्वी की परिक्रमा करके पहले यहां आ जाएगा, उसी का विवाह पहले होगा। शर्त सुनते ही कार्तिकेय जी पृथ्वी की परिक्रमा करने के लिए दौड़ पड़े लेकिन गणेशजी के लिए तो यह कार्य बड़ा ही कठिन था।

गणेश जी शरीर से स्थूल किन्तु बुद्धि के सागर थे। उन्होंने एक उपाय सोचा और अपनी माता पार्वती तथा पिता देवाधिदेव महेश्वर से एक आसन पर बैठने का आग्रह किया। गणेश ने उनकी सात परिक्रमा की। इस तरह से वह पृथ्वी की परिक्रमा से प्राप्त होने वाले फल की प्राप्ति के अधिकारी बन गए। उनकी चतुर बुद्धि को देख कर शिव और पार्वती दोनों काफी खुश हुए और उन्होंने श्रीगणेश का विवाह कार्तिकेय से पहले करा दिया। जब तक स्वामी कार्तिकेय सम्पूर्ण पृथ्वी की परिक्रमा करके वापस आए, उस समय तक श्रीगणेश जी का विवाह विश्वरूप प्रजापति की पुत्रियों सिद्धि और बुद्धि के साथ हो चुका था, जिनसे उन्हें क्षेम तथा लाभ नामक दो पुत्र भी प्राप्त हो चुके थे।

यह सब देखकर स्वामी कार्तिकेय नाराज हो गए और क्रौंच पर्वत की ओर चले गए। उन्हें मनाने के लिए देवर्षि नारद को भेजा गया लेकिन वह नहीं माने। कार्तिकेय के चले जाने पर माता पार्वती भी क्रौंच पर्वत पहुंचीं। उधर भगवान शिव भी ज्योतिर्लिंग के रूप में वहां प्रकट हुए। तभी से वह मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के नाम से विख्यात हुए। मल्लिका माता पार्वती का नाम है, जबकि अर्जुन भगवान शंकर को कहा जाता है। इस कथा के अलावा और भी कई कथाएं हैं जो मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के बारे में कही जाती हैं।

कैसे पहुंचे - मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग आंध्र प्रदेश के श्रीसैलम में मौजूद है। आप सड़क, रेल और हवाई यात्रा के जरिए इस ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर सकते हैं। सड़क के जरिए श्रीसैलम पूरी तरह से जुड़ा हुआ है। विजयवाड़ा, तिरुपति, अनंतपुर, हैदराबाद और महबूबनगर से नियमित रूप से श्रीसैलम के लिए सरकारी और निजी बसें चलाई जाती हैं। श्रीसैलम से 137 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैदराबाद का राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट सबसे नजदीकी एयरपोर्ट है। यहां से आप बस या फिर टैक्सी के जरिए मल्लिकार्जुन पहुंच सकते हैं। यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन मर्कापुर रोड है जो श्रीसैलम से 62 किलोमीटर की दूरी पर है।

सावन सोमवार

हर हर भोले नमः शिवाय

सावन और शिव का भारतीय संस्कृति से गहरा मेल है। सावन के झूलों से लेकर सावन सोमवार की बेलपत्री तक..सब कुछ मानो भावनाओं को हरा-भरा कर देने वाला। सावन के आते ही शिव भक्तों में पूजा अर्चना के लिए नई उमंग का संचार हो गया है। चारों ओर गूंजने लगे हैं बोल बम.. के जयकारे और हरे व केसरिया रंग से धरती पट सी गई है। सावन सोमवार को शिवालयों में सुबह से शाम तक भक्तों का तांता लगा रहेगा। हर कोई भोले से वरदान मांगने पहुंच जाता है उनके द्वार। शास्त्रों और पुराणों का कहना है कि श्रावण मास भगवान शंकर को अत्यंत प्रिय है। इस माह में शिवार्चना के लिए प्रमुख सामग्री बेलपत्र और धतूरा सहज सुलभ हो जाता है। सच पूछा जाए तो भगवान शिव ही ऐसे देवता है, जिनकी पूजा-अर्चना के लिए सामग्री को लेकर किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती। अगर कोई सामग्री उपलब्ध न हो तो जल ही काफी है। भक्ति भाव के साथ जल अर्पित कीजिए और भगवान शिव प्रसन्न।

जल चढ़ाओ और जो चाहे मांग लो

शास्त्रों के अनुसार श्रावण मास भगवान शकर को विशेष प्रिय है। अतः इस मास में आशुतोष भगवान शकर की पूजा का विशेष महत्व है। सोमवार शकर का प्रिय दिन है। इसलिए श्रावण सोमवार का और भी विशेष महत्व है। भगवान शकर का यह व्रत सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला है। इस मास में लघुरुद्र, महारुद्र अथवा अतिरुद्र पाठ करके प्रत्येक सोमवार को शिवजी का व्रत किया जाता है। प्रातः काल गगा या किसी पवित्र नदी सरोवर या घर पर ही विधि पूर्वक स्नान करने का विधान है। इसके बाद शिव मदिर जाकर या घर में पार्थिव मूर्ति बना कर यथा विधि से रुद्राभिषेक करना अत्यत ही फलदायी है। इस व्रत में श्रावण महात्म्य और विष्णु पुराण कथा सुनने का विशेष महत्व है।

एतिहासिक जंगेश्वर मंदिर

प्राचीन व एतिहासिक शिव मंदिरों में से एक पलवल के जंगेश्वर मंदिर में श्रावण माह में हर सोमवार को हजारों श्रद्धालु आकर पूजा अर्चना करते हैं। इस मंदिर की मान्यता दूर-दूर तक है। पुराने शहर में स्थापित यह मंदिर लोगों की आस्था का मुख्य केंद्र माना जाता है। पड़वा से पूनो तक श्रावण माह में विशेष पूजा अर्चना की जाती है।

पौराणिक व एतिहासिक महत्व

मंदिर का पौराणिक व एतिहासिक महत्व है। यह इसके नाम से ही पता लगता है। मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। पहले इस मंदिर को विधर्मियों ने तोड़कर इसके ऊपर अन्य निर्माण कर दिए थे। फिर इसे काफी संघर्ष के बाद हासिल किया गया। खुदाई की गई तो प्राचीन शिवालय निकला। सन् 1802 में इस मंदिर का पुनः निर्माण किया गया।

मूर्ति व मंदिर के निर्माण की विशेषता

मंदिर में स्थापित शिवलिंग पत्थर का है। मौजूदा लोगों में से किसी को नहीं मालूम कि यह कितना पुराना है। मंदिर के पुजारी राम कुमार बताते हैं कि यह कुदरती है। इस शिवालय का मुख्य मुख पूर्व की तरफ है। जबकि इसके दो अन्य दरवाजे पश्चिम व दक्षिण की तरफ खुलते हैं।

मंदिर की स्थापत्य शैली

जंगेश्वर मंदिर की स्थापत्य शैली अन्य शिव मंदिरों की तरह ही है। इसका निर्माण कखैया ईटों व व चूने से किया गया है। बाद का सारा निर्माण बड़ी ईटों व सीमेंट का है। मंदिर की दीवारों पर देवी-देवताओं के चित्र बने हुए हैं।

पूजा, दिनचर्या, सामग्री व आराधना

मंदिर में रोजाना पूजा अर्चना होती है। रोजाना सैकड़ों लोग पूजा अर्चना करते हैं। श्रावण माह में यह संख्या हजारों में पहुंच जाती है। मंदिर में मेले का सा माहौल रहता है। सोमवार को विशेष श्रृंगार किया जाता है। बेल पत्र, आक, धतूरे शिवलिंग पर चढ़ाए जाते हैं। पलवल से बाहर के श्रद्धालु भी पूजा अर्चना के लिए आते हैं।

श्रावण माह में प्रतिदिन शाम को दूध-दही, गंगाजल, शहद आदि से शिवलिंग का अभिषेक किया जाता है। हर सोमवार को फूल बंगला सजाया जाता है। ठंडाई व खीर का प्रसाद बांटा जाता है। अब पुराना मंदिर तोड़कर नया मंदिर बनाया गया है। उनके अनुसार शिवलिंग पृथ्वी से निकलकर अपने आप स्थापित हुआ।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बांग्लादेश में फिर हिंदुओं पर हमला, मंदिर में तोड़फोड़; घर में लगाई आग

ढ़ाका। बांग्लादेश में फिर से हिंदुओं को निशाना बनाया गया है। यहां के नराइल के लोहागरा इलाके में हिंदुओं के घर पर हमला

किया गया, वहीं एक घर में आग भी लगाई गई। बताया जा रहा है कि भीड़ ने एक मंदिर में भी तोड़फोड़ की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया, मामला एक हिंदू युवक द्वारा की गई फेसबुक पोस्ट से जुड़ा हुआ है। युवक द्वारा की गई पोस्ट से भीड़ नाराज हो गई और हिंदुओं के घरों पर हमला बोल दिया। भीड़ फेसबुक पोस्ट करने वाले युवक के घर में घुस गई और आग लगा दी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हवाई फायरिंग की।

अभी तक गिरफ्तारी नहीं

नराइल के पुलिस अधीक्षक ने बताया, कानून व्यवस्था कायम रखने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने बताया घटना की जांच की जा रही है। हालांकि, अभी तक इस मामले में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

जी-20 वित्त प्रमुखों से विश्व आर्थिक सुधार लक्ष्यों पर ध्यान देने का आग्रह, रूस-यूक्रेन युद्ध पर भी हुई बात

नुसा दुआ। इंडोनेशिया ने जी-20 के वित्त मंत्रियों से वैश्विक आर्थिक सुधार के लिए अपने लक्ष्यों पर ध्यान देने का आग्रह किया। लेकिन सूत्रों ने कहा कि बाली में बैठक की समाप्ति औपचारिक विज्ञप्ति के बिना ही होने की संभावना है। इसका एक कारण यूक्रेन में रूस का युद्ध जारी रखना है। इस मामले से परिचित दो सूत्रों ने कहा कि दो दिनी आयोजन की मेजबानी कर रहे इंडोनेशियाई वित्तमंत्री मूल्यानी इंद्रावती से उम्मी की जा रही है कि वे बैठक का सारांश देते हुए अध्यक्षीय बयान जारी करेंगी। एक सूत्र ने कहा, हम विज्ञप्ति की उम्मीद नहीं कर रहे हैं। इस बीच, अमेरिकी व कनाडाई वित्तमंत्री जेनेट येलेन व क्रिस्टिया फ्रीलैंड समेत वरिष्ठ पश्चिमी राजनयिकों ने युद्ध की निंदा की और युद्ध के कारण बड़े पैमाने पर आर्थिक गिरावट के लिए रूसी अधिकारियों को फटकार लगाई।

भारतीय-अमेरिकी नौरीन हसन यूबीएस अमेरिका की अध्यक्ष

भारतीय मूल की अमेरिकी नरीन हसन को स्विट्जरलैंड की दिग्गज वित्तीय कंपी यूबीएस ने कंपनी की अमेरिकी अध्यक्ष नियुक्त किया है। वह अमेरिका में यूबीएम होल्डिंग की सीईओ भी होंगी। हसन इस साल अक्तूबर में पद ग्रहण करेंगी। इस समय वह न्यूयॉर्क स्थित संघीय बैंक में कार्यरत हैं। अपनी नई भूमिका में वह टॉम नारटिल की जगह लेंगी। यूबीएस ग्रुप एजी एक बहुराष्ट्रीय निवेश बैंक और वित्तीय सेवा कंपनी है। हसन के पास रणनीति, डिजिटल परिवर्तन, साइबर सुरक्षा और विनियामक तथा जोखिम प्रबंधन में विशेषज्ञता के साथ वित्तीय सेवा उद्योग का 25 वर्षों का अनुभव हैं।

वैश्विक टीकाकरण में कोरोना बना रोड़ा, 30 साल की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज

वाशिंगटन। साल 2021 के दौरान बच्चों को जीवनरक्षक टीके लगाने का आंकड़ा काफी नीचे रहा। बताया जा रहा है कि यह पिछले 30 साल में सबसे बड़ी गिरावट है। डब्ल्यूएचओ और यूनिसेफ के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, बीते साल दुनियाभर में ढाई करोड़ से ज्यादा नवजात को मूलभूत टीके नहीं लगे। गौरतलब है कि वैश्विक टीकाकरण लगातार घट रहा था, लेकिन कोरोना महामारी के दौरान इसमें काफी इजाफा हो गया। डब्ल्यूएचओ और यूनिसेफ के अनुसार, साल 2021 के दौरान नवजातों के टीकाकरण में काफी गिरावट दर्ज की गई, जो पिछले 30 साल में सबसे ज्यादा है। आंकड़ों पर गौर करें तो 2019 के दौरान डिप्थीरिया, टिटनेस और काली खांसी से बचाव की तीन खुराक लेने वाले बच्चों की संख्या में पांच फीसदी गिरावट दर्ज की गई।

चीन के राष्ट्रपति शी ने झिनजियांग दौरे दौरान लद्दाख गतिरोध से जुड़े अपने सैनिकों से की मुलाकात

बीजिंग। लद्दाख सीमा से सटे अशांत झिनजियांग प्रांत की इस सप्ताह असामान्य यात्रा पर गए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने वहां तैनात सैनिकों एवं अधिकारियों से भेंट की तथा सीमा की सुरक्षा एवं अशांत प्रांत में स्थिति सामान्य बनाने में उनके 'शानदार योगदान' की तारीफ की। चीनी सेना की शीर्ष कमान सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के मुखिया शी ने झिनजियांग प्रांत में तैनात अधिकारियों एवं सैनिकों के प्रतिनिधियों से उसकी राजधानी उरूमकी में भेंट की। सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार शी ने प्रांत में तैनात सभी कमांडरों एवं सैनिकों को बधाई दी तथा इस क्षेत्र में उनके 'शानदार योगदान' पर मुहर लगाई। वह 12 से 15 जुलाई तक इस प्रांत की यात्रा पर थे, जहां उनकी सरकार पर अल्पसंख्यक मुसलमानों के उत्पीड़न का व्यापक आरोप लगता रहा है। सरकारी मीडिया द्वारा जारी किये गये फोटो में नजर आ रहा है कि शी के साथ भेंट के दौरान पीएलए की वेस्टर्न थियेटर कमान के शीर्ष अधिकारियों के साथ रेजिमेंट कमांडर क्वी फबाओ भी मौजूद हैं। वेस्टर्न थियेटर कमान पर भारत एवं चीन के बीच 3488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की निगरानी की जिम्मेदारी है, जबकि क्वी पीएलए का वह रेजीमेंटल कमांडर है, जो पूर्वी लद्दाख के गलवान में जून 2020 में हुई झड़प में घायल हो गया था। बाद में क्वी को 'सीमा की सुरक्षा के लिए हीरो रेजीमेंट कमांडर' के खिताब से सम्मानित किया गया था।

नेपाल का हमेशा अटल साझेदार रहेगा भारत : जयशंकर

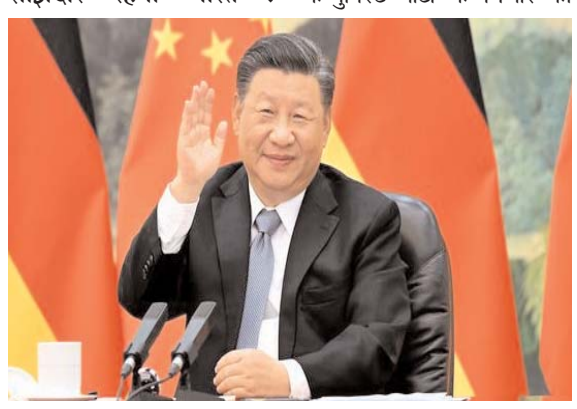

वैसे तो राष्ट्रपति के संबोधन का पूरा विवरण जारी नहीं किया गया है, लेकिन सरकारी मीडिया की खबर है कि उन्होंने दृढ़तापूर्वक कहा है कि नये दौर में सेना को मजबूत करने के सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के विचार को लागू करना, नये दौर की सैन्य सामरिक नीति को क्रियान्वित करना तथा झिनजियांग में सामाजिक स्थायित्व एवं दीर्घकालिक स्थायित्व को प्रोत्साहित करने में सक्रिय योगदान करना जरूरी है। सैनिकों के साथ शी की यह मुलाकात इस मायने में महत्वपूर्ण है कि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की झिनजियांग मिलिट्री कमान मई 2020 में दोनों पक्षों के बीच सैन्य गतिरोध के समय से भारत-चीन सीमा की निगरानी करता है। झिनजियांग में सैनिकों के साथ शी की यह बैठक रविवार को भारत एवं चीन के बीच होने वाली 16 वें दौर की सैन्य वार्ता से पहले हुई है। भारत पूर्वी लद्दाख में गतिरोध के सभी स्थलों से सैनिकों की शीघ्र वापसी पर जोर दे रहा है और उसका कहना है कि द्विपक्षीय संबंधों में संपूर्ण प्रगति के लिए सीमा पर अमन-चैन पूर्व शर्त है। गलवान घाटी में 15 जून, 2020 को भीषण संघर्ष में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गये थे। यह दोनों पक्षों के बीच सबसे गंभीर सैन्य टकराव था। काफी समय बाद चीन ने माना कि उसके भी चार लोग मारे गये थे। रविवार को होने वाली अगले दौर की वार्ता में संभावना है कि भारतीय पक्ष डेपसांग बुल्गे और डेमचोक में मुद्दों के समाधान के साथ-साथ टकराव वाले सभी स्थानों से यथाशीघ्र सैनिकों की वापसी पर जोर डालेगा। कई दौर की सैन्य एवं राजनयिक वार्ता के फलस्वरूप दोनों पक्षों ने पैंगोंग झील के उत्तरी एवं दक्षिणी तटों तथा गोगरा इलाके से अपने-अपने सैनिकों को पीछे हटाया था। दोनों पक्षों ने इस संवेदनशील पर्वतीय सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास 50-60 हजार सैनिकों को तैनात कर रखा है।

इंडिगो फ्लाइट की कराची में इमरजेंसी लैंडिंग, शारजाह से हैदराबाद आ रहा था विमान

करची। यूएई के शारजाह से हैदराबाद जाने वाली इंडिगो फ्लाइट में तकनीकी खराबी आने के बाद पाकिस्तान के कराची में इमरजेंसी लैंडिंग की गई। विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। वहीं इंडिगो एयरलाइंस ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि पायलट द्वारा विमान में तकनीकी खराबी देखे जाने के बाद, एहतियात के तौर पर विमान को पाकिस्तान के कराची की ओर मोड़ दिया गया। यात्रियों को हैदराबाद ले जाने के लिए कराची के लिए एक अतिरिक्त उड़ान भेजी जा रही है। बता दें दो सप्ताह में कराची में उतरने वाली यह दूसरी भारतीय एयरलाइन है।

इससे पहले कराची में ही स्पाइसजेट विमान की इमरजेंसी लैंडिंग की गई थी

बता दें कि इससे पहले पांच जुलाई को दिल्ली से दुबई जाने वाली स्पाइसजेट की स्त-11 फ्लाइट में तकनीकी खराबी आने के बाद पाकिस्तान के कराची में ही इमरजेंसी लैंडिंग की गई थी। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने घटना की जानकारी देते हुए बताया था कि संकेतक लाइट में तकनीकी खराबी के कारण स्पाइसजेट B737 विमान को कराची की ओर मोड़ दिया गया। विमान कराची में सुरक्षित उतर गया और यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया।

14 जुलाई को इंडिगो फ्लाइट की जयपुर में की गई थी इमरजेंसी लैंडिंग

वहीं इससे पहले 14 जुलाई की शाम को दिल्ली से वडोदरा जा रही इंडिगो फ्लाइट की जयपुर में इमरजेंसी लैंडिंग की गई थी। बताया गया था कि विमान में कुछ तकनीकी खराबी आई थी, जिसके बाद एहतियात के तौर पर इसकी आपात लैंडिंग कराई गई। गौरतलब है कि बीते कुछ दिनों में भारत में कई फ्लाइट्स को आपात तौर पर उतारे जाने की खबरें आ चुकी हैं।

रिपुदमन की हत्या से जुड़ी कार का फुटेज जारी, होमिसाइड यूनिट ने कहा- सच सामने आएगा

टोरंटो । कनाडा में हत्या के मामलों की जांच करने वाली शीर्ष एजेंसी होमीसाइड युनिट ने रिपुदमन मलिक की हत्या से जुड़ी एक कार की वीडियो फुटेज जारी की है। जांचकर्ता फिलहाल यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि रिपुदमन की हत्या किसने और क्यों की है? कनाडा के अखबार टोरंटो सन के मुताबिक, इंटीग्रेटेड होमीसाइट इन्वेस्टिगेशन टीम (आईएचआईटी) ने शुक्रवार को एक वीडियो जारी किया, जिसमें सफेद रंग की कार को पैपिलन ईस्टर्न इम्पोर्ट्स के पार्किंग क्षेत्र में घुसते हुए देखा जा सकता है। कार के अंदर कई लोग बैठे दिखाई दे रहे हैं। इस कंपनी की स्थापना मलिक ने 1970 में की थी। आईएचआईटी के सार्जेंट डेविड ली ने बताया कि कार 122ए स्ट्रीट पर 82 एवेन्यू के पास जली हुई मिली है।

कनिष्क बम विस्फोट मामला क्या था?

घटना 23 जून 1985 की है। एयर इंडिया की फ्लाइट 182 ने मॉन्ट्रियल से लंदन के लिए उड़ान भरी। इसे नई दिल्ली जाना था। एयर इंडिया का यह विमान एक बोइंग 747 जंबो जेट था। जिसे सम्राट कनिष्क के नाम पर कनिष्क नाम दिया गया था। वैंकूवर में एक सूटकेस कार्गो में चेक इन किया गया। इस सूटकेस में बम रखा हुआ था। विमान आयरिश हवाई क्षेत्र में था। तभी एक जोरदार धमाका हुआ। जमीन से 31 हजार फीट की ऊंचाई पर हुए इस धमाके में विमान सवार 22 क्रू मेंबर और सभी 307 यात्री मारे गए। इनमें 268 कनाडाई, 27 ब्रिटिश और 24 भारतीय नागरिक मारे गए। कनाडाई नगारिकों में कई भारतीय मूल के लोग भी थे। धमाके के मारे गए लोगों में से केवल 132 शव ही बरामद किए जा सके थे। बाकी 197 शवों का पता तक नहीं चल पाया।

इस हमले के जिम्मेदार लोग कौन थे?

कनाडा और भारतीय जांच में पता चला कि इस बम धमाके की योजना बनाने का काम और उसका क्रियान्वयन कनाडा में रहने वाले सिख अलगावादियों ने किया था। ये अलगावादी पंजाब में सक्रिय उग्रवादियों के निर्देश पर काम कर रहे थे। जांचकर्ताओं ने बताया कि बम धमाकों को आतंकवादी समूह बब्बर खालसा ने ऑपरेशन ब्लू स्टार का बदला लेने के लिए अंजाम दिया था।

मामले में किन लोगों को आरोपी बनाया गया?

इस बम धमाके के मामले में तीन लोग मुख्य आरोपी बनाए गए। इनमें रिपुदमन सिंह मलिक के साथ इंद्रजीत सिंह रेयात और अजब सिंह बागरी शामिल थे। ये तीनों ही भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक थे। इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन के सदस्य इंदरजीत सिंह रेयात को जांच के बाद दोषी पाया गया। उसे 15 साल की सजा हुई। वहीं, रिपुदमन सिंह मलिक और अजब सिंह बागरी को जांच के बाद बरी कर दिया गया।

उत्तरी ग्रीस में यूक्रेन का मालवाहक विमान दुर्घटनाग्रस्त, आठ लोग थे सवार

ग्रीस। यूक्रेन स्थित एयर कैरियर द्वारा संचालित एक मालवाहक विमान देर रात उत्तरी ग्रीस में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ग्रीस के नागरिक उड्डयन अधिकारियों के मुताबिक, विमान में 8 लोग सवार थे। पायलट ने इंजन में खराबी के कारण आपात लैंडिंग का अनुरोध किया था, लेकिन विमान का सिग्नल खो गया और हादसे का शिकार हो गया।

आठ लोग थे सवार

देर रात उत्तरी ग्रीस के कवला शहर के पास आठ लोगों के साथ एक मालवाहक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, दमकल विभाग और राज्य टीवी ने यह जानकारी दी है। स्टेट टीवी ईआरटी ने बताया कि विमान एक यूक्रेनी कंपनी के स्वामित्व वाला एंटोनोव ए -12 था, जो सर्बिया से जॉर्डन के लिए उड़ान पर था।

ertnews.gr पर अपलोड किए गए वीडियो फुटेज में विमान को आग की लपटों में जमीन से टकराने से पहले तेजी से उतरते हुए दिखाया गया है, जो एक विस्फोट जैसा लगता है। दमकल विभाग विमान के प्रकार की पुष्टि नहीं कर सका, लेकिन कहा कि शुरुआती रिपोर्ट में आठ लोग सवार थे।

इसने एक बयान में कहा कि दुर्घटना के बाद लगी आग को बुझाने के लिए 15 दमकलकर्मियों और सात इंजनों को तैनात किया गया। और भी बचावकर्मियों को भेजा गया है। विशेष आपदा प्रतिक्रिया इकाई घटनास्थल की जांच कर रही है। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि हम कार्गो को खतरनाक सामग्री मान रहे हैं।

रूस-यूक्रेन जंग जारी

यह हादसा ऐसे वक्त पर हुआ है जब यूक्रेन और रूस के बीच जंग जारी है। रूस ने यूक्रेन पर हमले और तेज कर दिए हैं और रिहायशी इलाकों को भी निशाना बनाया जा रहा है। यूक्रेन भी हरसंभव अपनी ओर से रूस को जवाब दे रहा है। यूक्रेन का यह भी दावा है कि उसने रूस के 47 सैनिक मार गिराए हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध में शनिवार को दोनों पक्षों ने एक-दूसरे को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया। एक तरफ जहां रूसी बमवर्षक विमानों ने यूक्रेन के दक्षिणपूर्वी शहर 'दनिप्रो' पर क्रूज मिसाइलें दागीं, जिससे 3 की मौत और 15 घायल हो गए। वहीं, यूक्रेनी सेना ने दक्षिणी यूक्रेन में 47 रूसी सैनिकों के साथ आठ हॉवित्जर तोप व कई सैन्य उपकरण नष्ट कर दिए।

दक्षिणपूर्वी यूक्रेन में क्रूज मिसाइलों से हमले, यूक्रेनी बल ने 47 रूसी मारे

पेशावर: रूस-यूक्रेन युद्ध में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया। एक तरफ जहां रूसी बमवर्षक विमानों ने यूक्रेन के दक्षिणपूर्वी शहर 'दनिप्रो' पर क्रूज मिसाइलें दागीं, जिससे 3 की मौत और 15 घायल हो गए। वहीं, यूक्रेनी सेना ने दक्षिणी यूक्रेन में 47 रूसी सैनिकों के साथ आठ हॉवित्जर तोप व कई सैन्य उपकरण नष्ट कर दिए।

रूस का सैन्य अभियान मुख्य रूप से यूक्रेन के पूर्वी क्षेत्र दोनबास पर केंद्रित है लेकिन रूसी सेना कई अन्य यूक्रेनी क्षेत्रों पर भी बमबारी कर रही है। रूस का मकसद यूक्रेनी नेताओं का मनोबल तोड़ना है। यूक्रेनी वायुसेना ने कहा, टीयू-95एमएस बमवर्षक विमानों के जरिये दनिप्रो स्थित एक फैक्टरी पर कई क्रूज मिसाइलों से हमला किया गया। इनमें से चार मिसाइलों को यूक्रेन ने रोका लेकिन अन्य ने काफी बड़े क्षेत्र को तबाह किया। इसमें 3 लोग मारे गए हैं।

उधर, यूक्रेनी सेना ने भी इस सप्ताह 47 रूसी सैनिकों को मारने का दावा किया। ऑपरेशनल कमांड साउथ ने कहा, हमारे विमानों पर दुश्मन ने लड़ाकू जेट व हवा से हवा में मारने वाली मिसाइलों से हमला किया, लेकिन यूक्रेन ने उन्हें मुंहतोड़ रूसी अधिकारियों ने हाल के सप्ताहों में कम से कम दो बार

जवाब दिया है।

रूसी टैंक, बख्तरबंद गाड़ियां व तोपें नष्ट

यूक्रेन ने दावा किया कि उसकी सेना ने हाल ही में रूस के दो केए-52 हेलीकॉप्टर तबाह कर दिए। हालांकि रूसी सेना ने काखोवका क्षेत्र में हमारे सशस्त्र बलों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की लेकिन ज्यादा क्षति नहीं कर पाए। जबकि यूक्रेनी बलों द्वारा दुश्मन की छह हॉवित्जर तोपें, एक टी-62 टैंक, 8 बख्तरबंद गाड़ियां और 14 वाहन नष्ट कर दिए गए।

रूस के अफसरों ने किया ईरान जाकर ड्रोन निरीक्षण

व्हाइट हाउस का कहना है कि मध्य ईरान के एक हवाई क्षेत्र का दौरा किया है ताकि हथियारों से लैस ड्रोन का निरीक्षण कर सकें। रूस इन ड्रोनों का इस्तेमाल यूक्रेन युद्ध में करना चाहता है। व्हाइट हाउस के मुताबिक, ईरान ने 8 और 15 जून को काशान एयरफील्ड में रूसी अफसरों के सामने ड्रोन प्रदर्शन किया। प्रशासन ने शहीद-191 और शहीद-129 ड्रोनों की उपग्रह तस्वीरें भी जारी कीं। एनएसए जेक सुलिवन ने कहा, हमारे पास सूचना है कि ईरान सरकार रूस को 100 ड्रोन मुहैया कराने जा रही है।

वार्ता का रास्ता अपनाकर युद्ध खत्म करें : भारत

रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में फिर से चिंता दताते हुए कहा कि दोनों देश कूटनीतिक जरिये से बातचीत करें और युद्ध को जल्द खत्म करने की घोषणा करें।

यूएन में भारत के स्थायी मिशन, प्रतीक माथुर ने कहा कि भारत यूक्रेन और रूसी संघ के बीच बातचीत के माध्यम से संघर्ष खत्म करने के सभी राजनयिक प्रयासों का समर्थन करता है क्योंकि युद्ध में कई लोगों की जान जा चुकी है। उन्होंने कहा, संयुक्त राष्ट्र में अंदर और बाहर रचनात्मक रूप से काम करना हमारे सामूहिक हित में है।

भुगतान प्रणालियों के समन्वय पर भारत और इंडोनेशिया ने जताई सहमति, एमओयू पर हस्ताक्षर किए

जकार्ता। भारत और इंडोनेशिया ने जी-20 में भुगतान प्रणालियों के समन्वय पर सहमति जताई है। दोनों देशों ने बैठक से इतर बाली में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इसमें भुगतान प्रणाली और आतंकी फंडिंग को रोकने सहित कई मुद्दों पर सहयोग किया गया।

आरबीआई ने एक बयान में कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक और बैंक इंडोनेशिया (बीआई) ने 16 जुलाई, 2022 को बाली, इंडोनेशिया में जी 20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक के दौरान दो केंद्रीय बैंकों के बीच पारस्परिक सहयोग में सुधार के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा और बीआई के डिप्टी गवर्नर डोडी बुडी वालुयो ने आरबीआई के

गवर्नर शक्तिकांत दास और बीआई गवर्नर पेरी वारजियो की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। बयान के अनुसार, समझौता ज्ञापन को नीति संबंधी संवाद, तकनीकी सहयोग, सूचनाओं के आदान-प्रदान और संयुक्त कार्य के माध्यम से लागू किया जाएगा।

राजनीतिक अस्थिरता इटली तक पहुंची, द्राघी हटे तो पूरे यूरोप पर पड़ेगा असर

रोम। यूरोप में बढ़ रही राजनीतिक अस्थिरता का नया शिकार इटली के प्रधानमंत्री मारियो द्राघी बने हैं। प्राकृतिक गैस के अभाव और रिकॉर्ड महंगाई के कारण यूरोपीय देशों में राजनीतिक अनिश्चय हाल में बढ़ा है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और एस्तोनिया की प्रधानमंत्री केजा कलास को हाल में इस्तीफा देना पड़ा। उसके पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की पार्टी संसदीय बहुमत वापस पाने में नाकाम रही। मारियो द्राघी ने रात इस्तीफा देने का एलान किया। 74 वर्षीय द्राघी बैंकर हैं। 2008 के वित्तीय संकट के दौरान यूरो मुद्रा को बचाने का श्रेय उन्हें दिया जाता है। साथ ही यूरोपियन यूनियन के अंदर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था इटली में आर्थिक स्थिरता लाने का श्रेय भी उन्हें रहा है। लेकिन यूक्रेन युद्ध के बाद पैदा हुए ऊर्जा संकट के बीच द्राघी के नेतृत्व वाले गठबंधन में फूट पड़ गई है। द्राघी के इस्तीफे की घोषणा करने के कुछ ही घंटों के अंदर इटली के राष्ट्रपति सर्गियो मातारेला ने कहा कि वे इस्तीफा स्वीकार नहीं करेंगे। लेकिन पर्यवेक्षकों के मुताबिक इससे इटली का राजनीतिक संकट दूर नहीं हुआ है। द्राघी के नेतृत्व वाले गठबंधन से फाइव-स्टार पार्टी अलग हो गई है। उसने द्राघी के आर्थिक सुधार कार्यक्रम को समर्थन देने से इनकार कर दिया है। फाइव-स्टार सत्ताधारी गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी थी। वेबसाइट पॉलिटिको.ईयू की एक रिपोर्ट के मुताबिक अगर अभी किसी तरह द्राघी की सरकार बच जाती है, तब भी वह स्थिर शासन नहीं दे पाएगी। बल्कि आने वाले दिनों में सत्ता संघर्ष और तेज होगा। इटली में अगले साल आम चुनाव होने हैं। इसलिए सत्ताधारी गठबंधन में शामिल पार्टियां ऐसे सुधारों के साथ खड़ी नहीं दिखना चाहतीं, जिनसे आम जनता पर बोझ बढ़ेगा। द्राघी के इस्तीफे की खबर का वित्तीय बाजारों पर साफ असर दिखा। अर्थशास्त्रियों ने चिंता जताई है कि आर्थिक संकट के इस वक्त में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ने से हालात और बिगड़ सकते हैं। यूरोपियन यूनियन की मुद्रा यूरो के भाव में बीते तीन महीनों में रिकॉर्ड गिरावट आ चुकी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राष्ट्रपति चुनाव के बाद हो सकता है महाराष्ट्र में कैबिनेट का विस्तार, 12 मंत्री कैबिनेट में होंगे शामिल

मुंबई। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार राष्ट्रपति चुनाव के बाद अपने मंत्रिमंडल का विस्तार कर सकती है, जिसके लिए सोमवार को मतदान होना है। यह जानकारी सूत्रों ने दी। शिंदे ने उनके नेतृत्व में शिवसेना विधायकों के विद्रोह के पश्चात महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार गिरने के बाद 30 जून को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थन से मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली थी। साथ ही भाजपा के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। हालांकि, कैबिनेट विस्तार को लेकर भाजपा या शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट की ओर से किसी तारीख की घोषणा नहीं की गई है। अठारह जुलाई से शुरू होने वाले विधानसभा के मॉनसून सत्र को स्थगित कर दिया गया क्योंकि राज्य सरकार में अभी केवल दो सदस्य- मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री हैं। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने रविवार को कहा, ''शपथ ग्रहण के बाद 20 या 21 जुलाई को मंत्रियों को विभाग वितरित किये जाने की उम्मीद है और अगले 10 दिनों के भीतर मानसून सत्र आयोजित किये जाने की उम्मीद है। इससे मंत्रियों को अपने नए विभागों के बारे में जानने में मदद मिलेगी, ताकि वे सदन में सवालों के जवाब दे सकें।'' दो सौ अठासी सदस्यीय सदन में भाजपा के 106 विधायक हैं और विस्तार में अधिक कैबिनेट पद मिलने की उम्मीद है, वहीं पूर्ववर्ती उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार में आठ मंत्री जो बाद में शिंदे के साथ आ गए, उन्हें भी इसमें शामिल किए जाने की संभावना है। भाजपा नेता ने कहा कि पार्टी को मंत्री पद के वितरण के मामले में संतुलन बनाने की जरूरत है, क्योंकि 2024 के लोकसभा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले केवल 18 महीने बचे हैं। उन्होंने दावा किया, ''एक बार चुनाव आचार संहिता लागू हो जाने के बाद, कोई भी महत्वपूर्ण या नीतिगत निर्णय नहीं ले सकता। चूंकि अक्टूबर 2024 में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए एक आचार संहिता भी होगी, मंत्रियों को बहुत सीमित समय मिलेगा (विकास कार्यों के लिए))।'' शिंदे गुट के कुछ विधायकों ने महाराष्ट्र में भारी बारिश के बीच सादा शपथ ग्रहण समारोह कराने की कथित तौर पर मांग की है, जबकि कुछ ने मांग की है कि विधान भवन परिसर में एक सार्वजनिक शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाए।

श्रीलंका संकट पर विचार करने के लिए केंद्र सरकार ने 19 जुलाई को बुलाई सर्वदलीय बैठक

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने श्रीलंका संकट पर मंगलवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है, जिसमें केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण और एस जयशंकर वहां की स्थिति के बारे में जानकारी देंगे। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने यह जानकारी दी। संसद के मॉनसून सत्र से पहले रविवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक के दौरान तमिलनाडु के दलों द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) ने भारत से पड़ोसी देश के मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की, जो एक अभूतपूर्व आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। रविवार की बैठक के दौरान, द्रमुक और अन्नाद्रमुक दोनों ने श्रीलंका और खासकर उस देश में तमिल आबादी की स्थिति से संबंधित मुद्दे को उठाया। बैठक के बाद द्रमुक नेता एम थंबीदुरई ने संवाददाताओं से कहा कि भारत को श्रीलंका संकट के समाधान के लिए हस्तक्षेप करना चाहिए। द्रमुक नेता टी आर बालू ने भी श्रीलंका की मौजूदा स्थिति के समाधान में भारत के हस्तक्षेप की मांग की। श्रीलंका पिछले सात दशकों में सबसे गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है, जहां विदेशी मुद्रा की कमी के कारण भोजन, ईंधन और दवाओं सहित आवश्यक वस्तुओं के आयात में बाधा आ रही है। सरकार के खिलाफ उग्र प्रदर्शनों के बाद आर्थिक संकट ने देश में एक राजनीतिक संकट को भी जन्म दिया।

दक्षिणी कश्मीर के पुलवामा में आतंकियों ने सुरक्षाबलों की टीम पर किया हमला, एक जवान शहीद

नई दिल्ली । केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक सहायक उप-निरीक्षक की आज दोपहर एक आतंकवादी गोलीबारी में मौत हो गई, जब पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त नाका पार्टी (एक चेकपोस्ट) पर हमला किया गया था। हमला दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में गोंगू क्रॉसिंग के पास हुआ। पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी ने इंडिया टुडे टीवी को बताया कि आतंकवादियों ने पास के एक सेब के बाग से चेकपोस्ट पर गोलीबारी की, जिसमें सीआरपीएफ जवान घायल हो गए। घायल सिपाही को अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और आतंकवादियों का पता लगाने और उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं।

शराब पीकर गाड़ी चलाई तो 3 माह के लिए निलंबित हो जाएगा लाइसेंस, एक यूनिट रक्तदान भी करना होगा

-पंजाब सरकार ने लागू किए नए ट्रैफिक नियम

चंडीगढ़ । पंजाब सरकार ने यातायात के नियमों को लेकर एक नया नोटिफिकेशन जारी किया है। नए नोटीफिकेशन में कहा गया है कि नियमों का उल्लंघन किया गया तो न सिर्फ जुर्माना देना होगा, बल्कि गलती दोहराने पर जुर्माना भी दोगुना हो जाएगा। इसके साथ ही कहा गया है कि शराब पीकर गाड़ी चलाने पर तीन महीने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किया जाएगा। साथ ही नजदीकी अस्पताल में सामुदायिक सेवा करनी होगी या एक यूनिट रक्तदान करना होगा। ट्रैफिक नियम तोड़ने पर जिस तरह से सजा का प्रावधान किया गया है वो अब चर्चा का विषय बन गया है। अधिसूचना में जिक्र किया गया है कि अगर कोई ट्रैफिक रूल तोड़ता है तो उसे एक रिफ्रेशर कोर्स से गुजरना होगा। इसके बाद परिवहन प्राधिकरण से सर्टिफिकेट लेना होगा। इतना ही नहीं, कम से कम 20 स्कूली स्टूडेंट्स को दो घंटे तक यातायात के नियम सिखाने होंगे। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर सामान्य सजा के रूप में तीन महीने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किया जाएगा। इसमें ओवरस्पीडिंग, गाड़ी चलाते वक्त मोबाइल फोन का इस्तेमाल करना, शराब पीकर गाड़ी चलाना, ट्रिपल राइडिंग और रेड लाइट जंप शामिल है। पंजाब में अब ओवरस्पीडिंग पर पहले 1,000 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। अगर कोई बार-बार इस नियम का उल्लंघन करते पाया गया तो जुर्माना दोगुना हो जाएगा। वहीं शराब पीकर गाड़ी चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने पर 5000 रुपए का जुर्माना लगेगा। अगर दूसरी बार इस नियम का उल्लंघन किया तो जुर्माना राशि दोगुना हो जाएगी। ओवरलोडेड वाहनों पर पहली बार 20,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। दूसरी बार दोगुना जुर्माना भरना होगा। पहली बार रेड लाइट जंप करने या ट्रिपल राइडिंग करने पर 1,000 रुपये का जुर्माना भरना होगा। दोबारा नियम का उल्लंघन किया तो दोगुना जुर्माना देना होगा। पंजाब पुलिस ने यातायात के नियमों के उल्लंघन को रोकने और नए दिशा-निर्देशों को लागू करने के लिए ट्रैफिक बैरियर लगाने की घोषणा की है। पंजाब में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन आम बात है, जहां हर रोज 13 लोग सड़क हादसों में मारे जाते हैं। 2011-2020 के दौरान पंजाब में 56,959 से अधिक दुर्घटनाएं हुईं थीं। जिनमें 46,550 लोग मारे गए थे।

दिल्ली में नियंत्रण में है कोरोना की स्थिति, केजरीवाल ने एहतियाती खुराक लेने की अपील की

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को दिल्लीवासियों से कोविड-19 रोधी टीके की एहतियाती खुराक लेने की अपील की और कहा कि शहर में अभी तक करीब 10 प्रतिशत लोगों ने ही एहतियाती खुराक ली हैं। मुख्यमंत्री ने 12-17 आयु वर्ग के बच्चों के अभिभावकों से बच्चों को टीके की दूसरी खुराक दिलाने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार बच्चों के टीकाकरण के लिए स्कूलों में भी शिविर लगाएगी। स्कूल प्राधिकारी इस उद्देश्य के लिए स्थानीय जिला प्रशासन के अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में अभी तक टीके की 3.5 करोड़ खुराकें दी गयी हैं। एहतियाती खुराक लेने वाले लोगों की संख्या 18.5 लाख है। कुल 1.81 करोड़ लोगों ने टीके की पहली खुराक ले ली है और 1.53 करोड़ लोगों ने दोनों खुराकें ले ली है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के पास हर दिन एक लाख खुराक देने की क्षमता है। उन्होंने दूसरी खुराक न लेने वाले लोगों से भी जल्द से जल्द टीका लगवाने की अपील की। केजरीवाल ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों, स्वास्थ्य कर्मियों और अग्रिम मोर्चे पर काम करने वाले कर्मियों को भी एहतियाती खुराक लेने की आवश्यकता है।

लक्ष्य विशाल, उपलब्धि बेमिसाल, 548 दिनों में 200 करोड़ वैक्सीनेशन, पीएम मोदी बोले- देश ने फिर रचा इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत ने कोरोना वायरस के साथ जंग में एक नया मुकाम हासिल कर लिया है। देश ने 200 करोड़ वैक्सीनेशन का आंकड़ा छू लिया है। भारत ने ये आंकड़ा मात्र 18 महीने में ही पार कर लिया। कोरोना के टीकाकरण की शुरुआत पीएम नरेंद्र मोदी ने 16 जनवरी 2021 को की थी। देश में अब 18 साल से अधिक उम्र के लोगों को बूस्टर डोज दी जा रही है, तो वहीं 12 साल से कम के बच्चों को भी वैक्सीन लगाई जा रही है। केंद्रीय स्वाथ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि भारत ने आज 200 करोड़ टीकाकरण का लक्ष्य पूरा कर लिया है। ये देश के लिए गौरव की बात है, ये लक्ष्य हमने केवल 18 महीने के भीतर पूरा किया है।

पीएम मोदी ने कही ये बात

तो वहीं पीएम नरेंद्र मोदी ने भी इस मौके पर ट्वीट करके देशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि भारत ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है। उन्होंने कहा कि 200 करोड़ वैक्सीनेशन डोज पहुंचने पर सभी देशवासियों को बधाई। उन लोगों पर गर्व है जिन्होंने भारत के टीकाकरण अभियान को पैमाने और गति में अद्वितीय बनाने में योगदान दिया। इसने कोविड-19 के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत किया है।

डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व की क्षेत्रीय निदेशक डॉ पूनम खेत्रपाल सिंह ने कहा कि 2 बिलियन से अधिक कोविड-19 वैक्सीन खुराक देने के लिए भारत को बधाई। यह देश की प्रतिबद्धता और चल रही महामारी के प्रभाव को कम करने के प्रयासों का एक और सबूत है। नीति आयोग के सदस्य डॉ वीके पॉल ने कहा कि 2 बिलियन कोविड वैक्सीन खुराक हासिल करना भारत के लिए एक शानदार मील का पत्थर है। हमने इसे अपने टीकों का उपयोग करके हासिल किया है। इस उपलब्धि का पूरा श्रेय देश की जनता और नेतृत्व को जाता है।

दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे तेज टीकाकरण अभियान

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि आज हमने कोविड वैक्सीन अभियान के तहत 200 करोड़ वैक्सीन की डोज़ पूरी कर ली है ये बेहद खुशी की बात है। पहले एक वैक्सीन को एक देश तक पहुंचने में 20-30 साल लगते थे, लेकिन पीएम मोदी के नेतृत्व में 9 महीनों में भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा बनाए गए सिर्फ 1 नहीं बल्कि 2 वैक्सीन... इसे दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे तेज टीकाकरण अभियान बना रहे हैं।

अयोध्या में कांवड़ यात्रा और सावन मेला में आतंकी हमले के इनपुट के बाद बढ़ाई गई सुरक्षा

अयोध्या । रामनगरी अयोध्या में प्रारंभ हो रही कावड़ यात्रा और सावन झूला मेले को लेकर आतंकी हमले का खुफिया इनपुट जारी किया गया है। इसको लेकर अयोध्या की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इस बार अयोध्या की सुरक्षा के लिए पीएसी, आरएएफ व सीआरपीएफ के जवानों को भी तैनात किया गया है। इसी कड़ी में रविवार को सीआरपीएफ की बटालियन के साथ पुलिस अधिकारियों ने अयोध्या के प्रमुख मार्गों पर रूट मार्च भी किया। बता दें कि कावड़ यात्रा को लेकर खुफिया विभाग ने आतंकी हमले का इनपुट जारी किए हैं। जिसके बाद हमेशा सुरक्षा को लेकर सख्त घेरे में कसी रहने वाली अयोध्या की सुरक्षा और बढ़ा दी गई है। अयोध्या के हर मठ मंदिर में सुरक्षा बल तैनात किए जा रहे हैं। बड़ी संख्या में सुरक्षा बल बाहर से मंगाए गए हैं। जिनकी प्रमुख सड़कों के समेत हर गली प्रमुख स्थानों पर तैनाती की जा रही है। साथ ही सभी प्रमुख मठ मंदिरों के महंत और वीआईपी को सुरक्षा प्रदान की गई है। इतना ही नहीं संपूर्ण मेले में हर आने जाने वाले पर नजर रखी जा रही है। अयोध्या में प्रवेश करने वाले हर वाहन की तलाशी की जाएगी और साथ ही यात्रियों की सुविधाओं के लिए जगह-जगह पार्किंग की व्यवस्था की गई है। संपूर्ण अयोध्या को छोटे-छोटे सेक्टर में बांटा गया है। जिसमें सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती होगी। सुरक्षा को लेकर के अयोध्या बेहद सख्त घेरे में कसी रहेगी श्रद्धालुओं को किसी तरीके की असुविधा ना हो इसका भी ध्यान रखा जा रहा है। अयोध्या की निगरानी सीसीटीवी से की जा रही है। क्षेत्राधिकारी अयोध्या राजेश तिवारी ने बताया कि कोविड के कारण दो साल के बाद पहली बार सावन मेला होने जा रहा है। इस वर्ष रामनवमी के मेले में बहुत बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे थे।

सरकार का विरोध करने का अधिकार छीना जा रहा, भारत में लोकतंत्र 'बर्बाद' हुआ : सिन्हा

रांची (एजेंसी)।

राष्ट्रपति पद चुनाव के लिए विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने शनिवार को यहां कहा कि भारत में लोकतंत्र 'बर्बाद' हो गया है क्योंकि देश में सरकार का विरोध करने का अधिकार छीना जा रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव को पहचान का सवाल नहीं बनाया जाना चाहिए बल्कि यह विचारधारा की लड़ाई है। सिन्हा ने राष्ट्रपति निर्वाचन मंडल से मतदान के समय अतंर आत्मा की आवाज सुनने का आह्वान किया। राष्ट्रपति के लिए 18 जुलाई को मतदान होगा।

केन्द्र की अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में महत्वपूर्ण वित्त मंत्रालय संभालने वाले हजारीबाग के पूर्वभाजपा सांसद सिन्हा ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की और चुनाव में उनकी पार्टी का समर्थन मांगा। उन्होंने दिन में झारखंड के विधायकों से भी मुलाकात की। सिन्हा ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''जब मैंने पिछले माह अपना चुनाव प्रचार प्रारंभ किया था तो आगाह किया था कि देश में लोकतंत्र खतरे में है, लेकिन आज जब मैं अपना चुनाव प्रचार संपन्न कर रहा हूं तो मैं कह सकता हूं कि देश में लोकतंत्र बर्बाद हो गया है।'' यशवंत सिन्हा ने भाजपा पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है ,चाहे वह ईडी, सीबीआई, आयकर विभाग या यहां तक राज्यपाल कार्यालय हो ताकि विपक्षी पार्टियों के विधायकों को तोड़ा जा सके और उनके (विरोधी दलों) द्वारा चलाई जा रही सरकारें गिराई जाए। उन्होंने कहा कि यह मध्यप्रदेश, कर्नाटक, गोवा, अरुणाचल प्रदेश और हाल में महाराष्ट्र में हुआ। सिन्हा ने कहा, ''मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर इसी तरह का हथकंडा निकट भविष्य में झारखंड की झामुमो-कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने के लिए अपनाया जाए।'' भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की राष्ट्रपति पद उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के लिए सिन्हों ने कहा कि वह ओडिशा की आदिवासी नेता का निजी तौर पर सम्मान करते हैं।

संजय राउत ने सुप्रिम कोर्ट के फैसले तक महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की

मुंबई। (एजेंसी)।

शिवसेना सांसद संजय राउत ने मांग उठायी है कि पार्टी के बागी विधायकों को अयोग्य ठहराने का अनुरोध करने वाली याचिका पर जब तक उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ का फैसला नहीं आ जाता तब तक महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन लगा देना चाहिए। राउत ने एकनाथ शिंदे की सरकार के नए मंत्रिमंडल के गठन में हो रही देरी की भी आलोचना की। उन्होंने ट्वीट किया, 'बारबाडोस की जनसंख्या ढाई लाख है और वहां के मंत्रिमंडल में 27 सदस्य हैं। महाराष्ट्र की 12 करोड़ आबादी को दो लोगों का मंत्रिमंडल मनमाने ढंग से चला रहा है। संविधान का मान कहां रखा गया है?' राउत ने मांग उठायी कि शिवसेना के बागी विधायकों को अयोग्य ठहराने का अनुरोध करने वाली याचिका पर जब तक उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ का फैसला नहीं आ जाता तब तक महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन लगा देना चाहिए। राउत ने कहा, 'संविधान का अनुच्छेद 164 (1-ए) कहता है कि राज्य के मुख्यमंत्री समेत मंत्रियों की संख्या 12 से कम नहीं होनी चाहिए। पिछले दो सप्ताह से, केवल दो लोगों का मंत्रिमंडल ऐसे निर्णय ले रहा है जो संवैधानिक रूप से वैध नहीं हैं। माननीय राज्यपाल जी, यह क्या हो रहा है?÷ हालांकि, हालिया अटकलों के अनुसार, 19 जुलाई को होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव के बाद महाराष्ट्र में नई मंत्रिपरिषद का गठन हो सकता है। भारतीय जनता पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा है कि 20 या 21 जुलाई को मंत्रिमंडल का विस्तार हो सकता है। राउत इस समय दिल्ली में हैं। उन्होंने रविवार को कहा, ÷यह (मंत्रिमंडल विस्तार) इसलिए नहीं हुआ क्योंकि संवैधानिक समस्या है। शिवसेना के 40 बागी विधायकों (शिंदे गुट) को अयोग्य ठहराए जाने का डर है और यह मामला उच्चतम न्यायालय में है। अगर वे मंत्री के रूप में शपथ लेंगे तो उन्हें अयोग्य ठहरा दिया जाएगा।'

एलएसी पर चीन की हर गतिविधि पर हमारी नजदीकी नजर, हाई अलर्ट पर है भारतीय वायुसेना : चौधरी

नई दिल्ली(एजेंसी)।

भारत और चीन के बीच एलएसी पर जारी गतिरोध को लेकर सैन्य स्तर पर रविवार को 16वें दौर की बातचीत की गई। इस बीच वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने कहा है कि एलएसी पर वायु गतिविधियों पर हमारी ओर से लगातार नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा, जब भी हमें लगता है कि चीनी विमान एलएसी के बहुत करीब आ रहे हैं, तो हम अपने लड़ाकू विमानों और सिस्टम को हाई अलर्ट पर रखकर उचित उपाय करते हैं। इसने उन्हें डरा दिया है। चीन ऐसा क्यों कर रहा है, इसका कोई एक कारण नहीं बता सकते हैं। दरअसल, चीन ने हाल ही एक बार फिर से भारतीय हवाई सीमा का उल्लंघन किया। चीनी वायुसेना के एक विमान ने पूर्वी लद्दाख में तैनात भारतीय जवानों के बेहद करीब से उड़ान भरी। एयर स्पेस में दखलअंदाजी को देखते हुए भारतीय वायुसेना ने स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर के तहत जरूरी कदम उठाए हैं। यह घटना जून के आखिरी हफ्ते में एलएसी के करीब की बताई गई। मामला सामने आने के बाद भारतीय वायुसेना ने इसको लेकर कड़ी आपत्ति जताई। वीआर चौधरी ने कहा कि अलग हवाई रक्षा कमान की स्थापना से फायदा के बदले नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहा कि देश की वायु शक्ति के सभी तत्वों को मिलकर समन्वय के साथ काम करने की जरूरत है, ताकि भविष्य की विभिन्न सुरक्षा चुनौतियों का सामना किया जा सके।

चीन को लेकर आईएएफ चीफ का बड़ा बयान, ड्रैगन पर अब भारत का खौफ

मुंबई। (एजेंसी)।

आईएएफ प्रमुख से एलएसी पर चीनियों द्वारा हाल ही में उकसाने के कारणों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मैं कोई विशेष कारण नहीं बता सकता कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं। हम इसकी निगरानी कर रहे हैं और हम अपने लड़ाकों को वहां से खदेड़कर तत्काल कार्रवाई करते हैं। एलएसी पर वायु गतिविधि पर हमारे द्वारा लगातार नजर रखी जाती है। जब भी हमें लगता है कि चीनी विमान एलएसी के बहुत करीब आ रहे हैं, तो हम अपने लड़ाकू विमानों को खंगालकर और अपने सिस्टम को हाई अलर्ट पर रखकर उचित उपाय करते हैं। इसने उन्हें डरा दिया है।

'अग्निपथ' भर्ती योजना पर वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने कहा कि हमें इसके लिए 7.5 लाख आवेदन मिले हैं। यह युवाओं की सशस्त्र बलों में शामिल होने की उत्सुकता को दर्शाता है। दिसंबर में प्रशिक्षण शुरू करने के लिए चयन प्रक्रिया को समय पर पूरा करने में बड़ी चुनौती। इसके अलावा उन्होंने कहा कि वायुसेना दिवस परेड इस साल चंडीगढ़ में आयोजित की जाएगी। प्रधानमंत्री के विजन और देश के युवाओं को वायुसेना की ताकत दिखाने के अपने विचार को ध्यान में रखते हुए हमने हर साल परेड स्थल को एक नए स्थान पर स्थानांतरित करने का फैसला किया है।

एस-400 वायु रक्षा प्रणाली पर आईएएफ प्रमुख ने कहा कि इंडक्शन प्रोग्राम शेड्यूल के अनुसार चल रहा है। पहली फायरिंग यूनिट को शामिल किया गया और तैनात किया गया। दूसरी इकाई भी शामिल होने की प्रक्रिया में है। समय पर डिलीवरी शेड्यूल, उम्मीद है कि अगले साल तक सभी डिलीवरी पूरी हो जाएगी।

ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल डील के बाद अब फिलीपींस भारत से उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर खरीदने पर कर रहा विचार

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल की तीन बैटरी की खरीद के लिए 30.75 करोड़ डॉलर के सौदे पर मुहर लगाने के कुछ महीने बाद फिलीपीन अपनी सैन्य क्षमता को बढ़ाने के लिए भारत से उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर खरीदने पर विचार कर रहा है। दक्षिण चीन सागर में चीन के साथ दशकों से चल रहे क्षेत्रीय विवादों के साथ-साथ अन्य समुद्री सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए फिलीपीन अपनी सेना के आधुनिकीकरण पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। रक्षा प्रतिष्ठान के शीर्ष अधिकारियों ने रविवार को पीटीआई-को बताया कि फिलीपीन ने अपने पुराने हेलीकॉप्टर बेड़े को बदलने के लिए कई उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) की खरीद में दिलचस्पी दिखाई है। पता चला है कि दोनों पक्ष प्रस्तावित सौदे पर बातचीत कर रहे हैं। स्वदेशी रूप से विकसित नयी पीढ़ी का एएलएच हेलीकॉप्टर 5.5 टन भार वर्ग में दो इंजन वाला बहु-उद्देश्यीय हेलीकॉप्टर है और इसे विभिन्न सैन्य अभियानों के लिए उपयुक्त माना जाता है। अधिकारियों ने कहा कि फिलीपीन स्वदेशी रूप से विकसित भारत के हल्के लड़ाकू विमान 'तेजस' के प्रदर्शन से प्रभावित हुआ है और इसे खरीदने पर विचार कर सकता है क्योंकि फिलीपीन अपने लड़ाकू विमानों के बेड़े को बदलना चाहता है। फिलीपीन दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्र में भारत का एक प्रमुख रणनीतिक साझेदार है और पिछले कुछ वर्षों में द्विपक्षीय रक्षा और सुरक्षा संबंधों में मजबूती आई है, खासकर समुद्री क्षेत्र में। फिलीपीन ने जनवरी में ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल की तीन बैटरी की खरीद के लिए भारत के साथ 30.75 करोड़ डॉलर का सौदा किया था। भारत ने मार्च में फिलीपीन के साथ एक रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसमें रक्षा हार्डवेयर और उपकरणों की आपूर्ति के लिए सरकार से सरकार के बीच सौदे शामिल हैं। तेजस विमान पहले ही मलेशिया के लिए शीर्ष पसंद के रूप में उभरा है क्योंकि देश अपने पुराने लड़ाकू विमानों के बेड़े को बदलने पर विचार कर रहा है। चीन के जेएफ-17 जेट, दक्षिण कोरिया के एफए-50 और रूस के मिग-35 के साथ-साथ याक-130 से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद मलेशिया ने भारतीय विमानों में दिलचस्पी दिखाई है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा निर्मित तेजस, एकल इंजन और बहुउद्देश्यीय सुपरसोनिक लड़ाकू विमान है जो उच्च-जोखिम वाले हवाई क्षेत्र में संचालन करने में सक्षम है। पिछले साल फरवरी में, रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायु सेना के लिए 83 तेजस लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए एचएएल के साथ 48,000 करोड़ रुपये का सौदा किया था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कचौली गांव के निवासी अपने ही गांव के सरपंच से नाराज, परेशान

सरपंच द्वारा गरीबों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ व्यवस्था के कुछ जिम्मेदार अधिकारी भी मूकदर्शक बने हुए हैं

जरूरतमंद वर्ग के एक मकान मालिक के बेघर होने और दूसरों को आवास आवंटित करने का मामला प्रकाश में आया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

जर्नालिस्ट फेडरेशन ओफ सचिन, दि. 17

सूरत जिले के कचौली गांव में गरीबों के साथ हो रहे विभिन्न मुद्दों को लेकर सरपंच नजीर शेख के खिलाफ आरोपों से भरी गतिविधियों में व्यवस्था के कुछ जिम्मेदार अधिकारी मूकदर्शक की भूमिका निभा रहे हैं, जिम्मेदारी दिए जाने के बावजूद गरीब-जरूरतमंदों को न्याय नहीं मिला और सरकार द्वारा निष्पक्ष कार्रवाई करने की पर्याप्त शक्ति होने के बावजूद, कचौली गांव के निवासी अब नाराज, परेशान हैं और उन्होंने अपने गांव के सरपंच के खिलाफ विद्रोह का मुद्दा उठाया है। हाल ही में एक ऐसा मामला सामने आया है जहां जरूरतमंद वर्ग के मकान का मालिक बेघर हो गया है, वहीं दूसरे को आवास आवंटित कर दिया गया है।

सूरत जिले के कचौली गांव के निवासियों ने अपने गांव के सरपंच के खिलाफ इस तरह से शिकायत की है कि कुछ कहावत पूरी तरह से उलटी मानी जा सकती है कि जलने में रह सकते हैं, लेकिन टपकती छत में नहीं रह सकते, जब कोई व्यक्ति अपनी सीमा को लांघता है और किसी व्यक्तिको परेशान करता है, तो वह संवैधानिक रूप से उस प्रणाली से न्याय की अपेक्षा करता है जो उस विभाग के अधिकारियों के दरवाजे खटखटाती है। कछौली गांव के गरीब निवासी शौचालय से वंचित हैं लेकिन अधिकारियों की टीम निष्पक्ष जांच के लिए तैयार नहीं है कि कितने वंचित हैं। दूसरी ओर, जैसा कि वरिष्ठ अधिकारी शिकायत पर आपस में भिड़ रहे हैं और वर्तमान पत्रों में प्रकाशित रिपोर्ट, अधिकारियों की एक टीम आती है, लेकिन एक रटना जवाब तैयार करती है और एक सटीक और निष्पक्ष जांच के बिना वरिष्ठों को रिपोर्ट भेजती है। अब जब व्यवस्था के कुछ जिम्मेदार और पावरदार अफसर गरीबों और जरूरतमंदों को न्याय दिलाने में नाकाम हो जाते हैं तो सवाल उठता है कि जनता किस पर भरोसा करेगी ? गौरतलब है कि कचौली गांव में व्याप्त भ्रष्टाचार की आग अब चरम पर पहुंच चुकी है और बिना उचित जांच के व्यवस्था के अधिकारी किसे बचा रहे हैं यह भी एक अहम सवाल बनता जा रहा है, ऐसा कहा जाता है कि वर्तमान सरपंच नजीर शेख 2014 से पंचायत का संचालन कर रहे हैं और उनके कार्यकाल के दौरान उस समय के तलाटी भी इस घोटाले में शामिल हो सकते हैं ताकि अधिकारी उस तलाटी को बचाने की प्रक्रिया में हो जिससे सरपंच नजीर शेख बचता चला जा रहा होगा ।

फिर भी कोई कितना बचाए, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन जब पाप का घड़ा भर जाता है, तो वह अपने आप भर जाता है।

पूरे चैप्टर में अब कचौली के सरपंच नजीर शेख का पूरी तरह से पर्दाफाश हो गया है जिससे अब पता चल रहा है कि वह भी अपनी जांच को बचाने के लिए कदम उठा रहे हैं।

अन्याय भी कुछ तरह का अन्याय है कि चलता-फिरता अन्याय

कछौली गांव के श्यामलाल केवट नाम के एक मतदाता को गांव में ही सरपंच नजीर शेख द्वारा प्लॉट नंबर-541 आवंटित किया गया है। जानकारी के मुताबिक श्यामलाल केवट को आवंटित प्लॉट नंबर गांव की सीमा में नहीं है। जब यह प्लॉट गांव में ही नहीं है तो सरपंच इस नंबर से जरूरतमंदों को प्लॉट कैसे आवंटित कर सकता है ?

दूसरी ओर, जगदीशभाई राठौर जिन्हें वर्ष 2016-17 में सरपंच द्वारा प्लाट नंबर 524 आवंटित किया गया है, शिकायत आ रही है कि प्लोट आवंटित होने के बाद पंचायत द्वारा उस पर निर्माण की अनुमति नहीं दी जाती है। इसके अलावा सरपंच नजीर शेख द्वारा गांव के जरूरतमंद लोगों को सरकारी योजना का लाभ नहीं दिया जा रहा है और पंचायत के वर्तमान तलाटी कमलेश हडिया द्वारा चुपचाप मामला देखा जा रहा है। अतीत से गरीबों के साथ किया जा रहा अन्याय वर्तमान तलाटी उच्चस्तर पर मौजूद अधिकारीओंको सही मामला नहीं बता रहे है, लेकिन आरटीआई कार्यकर्ता के खिलाफ सचिन पुलिस में शिकायत जरूर कर देते है, और पुलिस प्रशासन भी आरटीआई एक्टीवीस्ट के उपर कारवाइ करने तैयार हो जाती है। भारत का संविधान बहुत सरल है लेकिन कुछ धूर्त लोग संविधान को भ्रमित कर देते हैं जिससे लोगों को समय पर न्याय नहीं मिल पाता है।

प्रश्नात्मक जानकारी मांगने विषय पर आयोजित हुआ 108 वां आरटीआई वेबिनार

शैलेश गांधी और आत्मदीप ने किया संबोधित

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूचना के अधिकार आवेदन देते समय प्रश्नात्मक जानकारी मांगी जा सकती है क्योंकि आरटीआई कानून में ऐसा कोई नियम प्रावधान नहीं है जिसमें प्रश्नात्मक जानकारी न माँगी जाय।

दिनांक 17 जुलाई 2022 को आयोजित 108 वें राष्ट्रीय आईटीआई वेबीनार में उपस्थित विशेषज्ञों पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी एवं पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त ने बताया कि जो जानकारी दस्तावेज में उपलब्ध है वह दी जा सकती है प्रश्नात्मक अथवा बिना प्रश्नात्मक का सवाल पैदा नहीं होता है।

उन्होंने आवेदकों को यह भी कहा कि अक्सर लोक सूचना अधिकारी प्रश्नात्मक जानकारी के नाम पर जानकारी छुपाते हैं अथवा आवेदन वापस कर देते हैं ऐसी स्थिति से बचने के लिए प्रयास यह किए जाने चाहिए पूछ कर जानकारी शब्दों का उपयोग कम किया जाय अथवा न किया जाए। विशेषतौर पर उन्होंने यह बताया की काल्पनिक प्रश्न की जानकारी सीधे सरल भाषा में पूछी जाए और प्रश्नात्मक नहीं मांगनी चाहिए क्योंकि आरटीआई कानून में जो जानकारी दस्तावेज़ों में उपलब्ध है वही जानकारी दिए जाने का प्रावधान है।

कार्यक्रम में अभी हाल ही में दिनांक 12 जुलाई 2022 के हाई कोर्ट नई दिल्ली के सिंगल जज द्वारा कार्य के निरीक्षण के विषय में एक जज के द्वारा दिए गए आदेश पर भी चर्चा हुई जिस पर विशेषज्ञों ने कहा कि ऐसे आदेश आरटीआई कानून को कमजोर कर रहे हैं।

केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी ने बताया कि हालांकि चाहे वह हाईकोर्ट अथवा अथवा सुप्रीम कोर्ट हो सभी के ऐसे कई आदेश हैं जो निरंतर प्रश्न के दायरे में आते हैं। एक बार उन्होंने पुनः गिरीश रामचंद्र देशपांडे के निर्णय को अवैधानिक बताते हुए कहा कि इस पर डिबेट करने के लिए वह तैयार हैं।

इस प्रकार कार्यक्रम में आरटीआई रिसोर्स पर्सन वीरेंद्र कुमार ठक्कर, आरटीआई एक्टिविस्ट ताराचंद्र जांगिड़, आरटीआई एक्टिविस्ट जोधपुर सुरेंद्र जैन, छत्तीसगढ़ से आरटीआई एक्टिविस्ट देवेंद्र अग्रवाल सहित दर्जनों आरटीआई एक्टिविस्ट और आवेदकों ने अपनी अपनी बातें रखी और कार्यक्रम में जानकारियां प्राप्त की। वेबिनार कार्यक्रम का संचालन एक्टिविस्ट शिवानंद द्विवेदी के द्वारा किया गया।